Estd. 1924

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय का संघटक महाविद्यालय

NAAC ग्रेड 'A'

विवरण-पुस्तिका 2018

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

31, शाम नाथ मार्ग, दिल्ली -110054

प्रशासन

प्राचार्या	डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ
उप–प्राचार्या	डॉ. रेखा सेठी
बर्सर	सुश्री सुषमा नीना कुमार
प्रशासनिक अधिकारी	श्री दिनेश सुन्दरियाल

संपर्क

दूरभाष	011 – 23954085
फैक्स	011 – 23962009
ईमेल	ipcw@ip.du.ac.in
वेबसाइट	ipcollege.ac.in

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत

लोक सूचना अधिकारी	**श्री दिनेश सुन्दरियाल** प्रशासनिक अधिकारी
अपील प्राधिकारी	**डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ** प्राचार्या

विषय-सूची

प्राचार्या के डेस्क से 3
इतिहास और विरासत 4
इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के विषय में 6
अध्ययन पाठ्यक्रम 7
मल्टी मीडिया और जनसंचार 12
शिक्षा केन्द्र 13
करियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल 15
2017 की विश्वविद्यालय परीक्षाओं में स्थान 16
उपलब्धि प्राप्त करने वाली छात्राएँ 17
सुविधाएँ 18
शैक्षणिक अवसंरचना.....20
शिक्षा संसाधन 21
सर्वोत्तम कार्य 22
छात्र गतिविधियाँ.....24
सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ 25
पाठ्येतर गतिविधियाँ 26
तरणताल.....28
खेल सुविधाएँ 29
रा.कै.को., रा.से.यो., खेल.....30
दिव्यांग अभिगम.....31
प्रज्ञा का विकास : कुछ क्षण 32
शताब्दी दशक 2014-2024 34
इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की पूर्व छात्राएँ.....35
प्रवेश.....37
ओरिएंटेशन कार्यक्रम 44
खेल कोटा के अंतर्गत प्रवेश–दिशा–निर्देश और प्रक्रिया.....45
नियम और विनियम.....46
छात्राओं को वित्तीय सहायता 46
शुल्क संरचना 47
संकाय.....49
रैगिंग विरोधी दस्ता और रैगिंग विरोधी समिति.....52
महाविद्यालय की शिकायत निवारण समिति 52
महाविद्यालय अनुशासन–अध्यादेश XV–B 53
रैगिंग का निषेध और रैगिंग करने पर दंड–अध्यादेश XV–C 54
महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013–अध्यादेश XV-D 55
आंतरिक शिकायतें समिति 55
छात्रा और माता/पिता/अभिभावक द्वारा वचनबंध 56

टिप्पणी : इस विवरण–पुस्तिका में समाविष्ट सभी नियमों के संदर्भ में यह स्पष्ट प्रावधान है कि दिल्ली विश्वविद्यालय से यदि कोई अन्य आदेश प्राप्त होता है तो इन नियमों से पूर्व नवीन नियम ही लागू होगा।

प्रवेश-सूची 2018-19

कट ऑफ	गतिविधि	तिथि
	ऑनलाइन पंजीकरण	मंगलवार, 15 मई 2018 सायं 6 से गुरुवार, 7 जून 2018 को सायं 6 बजे तक
पहली कट ऑफ	महाविद्यालयों द्वारा पहली कट ऑफ अंक सूची से संबंधित अधिसूचना	मंगलवार, 19 जून 2018
	दस्तावेज़ों का सत्यापन, प्रवेश का अनुमोदन और शुल्क का भुगतान	मंगलवार, 19 जून 2018 से गुरुवार, 21 जून 2018 तक
दूसरी कट ऑफ	महाविद्यालयों द्वारा दूसरी कट ऑफ अंक सूची से संबंधित अधिसूचना	सोमवार, 25 जून 2018
	दस्तावेज़ों का सत्यापन, प्रवेश का अनुमोदन और शुल्क का भुगतान	सोमवार, 25 जून 2018 से बुधवार, 27 जून 2018 तक
तीसरी कट ऑफ	महाविद्यालयों द्वारा तीसरी कट ऑफ अंक सूची से संबंधित अधिसूचना	शनिवार, 30 जून 2018
	दस्तावेज़ों का सत्यापन, प्रवेश का अनुमोदन और शुल्क का भुगतान	शनिवार, 30 जून 2018 से मंगलवार, 3 जुलाई 2018 तक (रविवार के अतिरिक्त)
चौथी कट ऑफ	महाविद्यालयों द्वारा चौथी कट ऑफ अंक सूची (यदि कोई हो) से संबंधित अधिसूचना	शुक्रवार, 6 जुलाई 2018
	दस्तावेज़ों का सत्यापन, प्रवेश का अनुमोदन और शुल्क का भुगतान	शुक्रवार, 6 जुलाई 2018 से सोमवार, 9 जुलाई 2018 (रविवार के अतिरिक्त)
पाँचवीं कट ऑफ	महाविद्यालयों द्वारा पाँचवीं कट ऑफ अंक सूची (यदि कोई हो) से संबंधित अधिसूचना	गुरुवार, 12 जुलाई 2018
	दस्तावेज़ों का सत्यापन, प्रवेश का अनुमोदन और शुल्क का भुगतान	गुरुवार, 12 जुलाई 2018 से शनिवार, 14 जुलाई 2018 तक

टिप्पणी :

1. महाविद्यालय में दस्तावेज़ों का सत्यापन पूर्वाह्न 9:30 से अपराह्न 1:30 बजे तक किया जाएगा।
2. प्रवेश के अनुमोदन के पश्चात्, प्रवेश शुल्क के ऑनलाइन भुगतान हेतु आवेदक को अंडरग्रेजुएट पोर्टल पर लॉग ऑन करना होगा। यह प्रवेश कट ऑफ सूची (जिसमें प्रवेश लिया जाना है) के अंतिम दिन के अगले दिन दोपहर 12.00 बजे तक कर लिया जाए।

प्राचार्या के डेस्क से

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय को चुनने के लिए धन्यवाद और इसमें प्रवेश पाने पर शुभकामनाएँ!

महाविद्यालय ने अपने 95वें वर्ष में ''100 वर्षों के काउंटडाउन'' मोड में प्रवेश कर लिया है। जब हम महाविद्यालय की स्थापना के 100वें वर्ष का समारोह मनाने के लिए तैयारियाँ कर रहे हैं, महाविद्यालय द्वारा अगले कुछ वर्षों के लिए अनेक बड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। इस दशक में महाविद्यालय ने शैक्षणिक और अवसंरचना, दोनों ही क्षेत्रों में बड़े कदम उठाए हैं। भूगोल और समाज शास्त्र में ऑनर्स पाठ्यक्रम आरंभ किए गए हैं और छह जीवंत शोध और शिक्षा केन्द्र स्थापित किए गए हैं : संग्रहालय और अभिलेखागार शिक्षा संसाधन केन्द्र, अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केन्द्र, पृथ्वी अध्ययन केन्द्र, अंतःविषय अध्ययन केन्द्र, संस्कृत अध्ययन और शोध केन्द्र तथा अनुपम संगीत अभिलेखागार और श्रवण कक्ष। महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त शताब्दी दशक पूर्वस्नातक शोध अनुदान के अंतर्गत अधिकाधिक छात्राओं ने शोध परियोजनाएँ आरंभ की हैं। यह विश्वविद्यालय में पूर्वस्नातक स्तर की अपने ही प्रकार की परियोजना है जो पूर्वस्नातक छात्राओं के मूल और नवोन्मेषी विचारों को बढ़ावा देती है। महाविद्यालय द्वारा गांधी पर पूरे दशक चलने वाले गोलमेज़ सम्मेलन के पाँच सत्रों का आयोजन किया जा चुका है। इसका आरंभ 2014 में हुआ था। महाविद्यालय की शताब्दी के अवसर पर इसकी परिणति अंतरराष्ट्रीय परिसंवाद के रूप में होगी। महाविद्यालय के जीवन की इस महत्त्वपूर्ण घटना के लिए विशेष प्रदर्शनियों, व्याख्यानों, कार्यशालाओं और आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इन सभी कार्यक्रमों की योजना आप सभी छात्राओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है जिससे कि आप इस महाविद्यालय में अपने जीवन के तीन सर्वोत्तम वर्ष व्यतीत कर सकें।

दिल्ली में जिन परिवारों द्वारा परंपरागत रूप से महिलाओं को शिक्षा दी गई है उन्होंने महिलाओं के लिए उच्चतर शिक्षा हेतु अग्रणी संस्था के रूप में इस महाविद्यालय के प्रवेश–द्वार को पार किया है। 1956 में, उस समय जबकि सार्वजनिक संस्थाओं में लड़कियों का तैराकी करना सोच से भी परे था, यहाँ तरणताल बनवाया गया। यह तरणताल अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूरे कर चुका है। महाविद्यालय परिसर के लगभग 65 वर्ष पुराने कलावती गुप्ता छात्रावास को पुनः डिज़ाइन, नवीकृत और पुनःसज्जित किया गया है और नवीकरण के अधीन इन्द्रप्रस्थ महिला छात्रावास को जुलाई 2018 में खोल दिया जाएगा। इस छात्रावास में वातानुकूलित कक्षों का विकल्प उपलब्ध है।

अपनी अवसंरचना और सुविधाओं के साथ यह महाविद्यालय आपको प्रगति और विकास के अवसर प्रदान करने हेतु आपकी सेवा में है जिससे कि आप स्वतंत्र और आत्मविश्वास से पूर्ण ऐसी युवती बन सकें जो अपनी ही शर्तों पर पूरी दुनिया का सामना कर सकती है। इसके प्रतिष्ठित शिक्षक और मित्रवत् सपोर्ट स्टाफ इस महाविद्यालय को आपका विशिष्ट जगत बनाने में आपको प्रोत्साहित करेगा। ऐसा महाविद्यालय जिसे आप हमेशा अपने पास और साथ संजोकर रखेंगे। इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय आपके बारे में है! आप इसकी दृष्टि के केन्द्र में हैं : ऐसी दृष्टि जो समानता और समरसता, अनेकता और समावेश, विचारशीलता और सम्मान, दयालुता और अनुकंपा के मूल्यों का समर्थन करती है। आपने अभी–अभी खोज और रहस्योद्घाटन की एक ऐसी यात्रा का आरंभ किया है जो उतनी ही आपके विषय में है जितनी कि उस जगत के बारे में जहाँ आप रहते हैं। नैसर्गिक सौन्दर्य से घिरे हुए और नारी उद्धार तथा उनके सशक्तिकरण के आदर्शों से पोषित इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालनय में आपको खोज, अभिव्यक्ति और आत्मदर्शन के अवसर प्राप्त होंगे।

आइए, इस उत्साहवर्द्धक पथ पर हम साथ मिलकर चलें!

इतिहास और विरासत

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय की स्थापना 1924 में हुई थी। यह दिल्ली विश्वविद्यालय का सबसे पुराना महिला महाविद्यालय है। इसका आरंभ चाँदनी चौक के जामा मसजिद क्षेत्र के छिप्पीवाड़ा में एक पुरानी हवेली की दूसरी मंज़िल स्थित कमरे में तीन छात्राओं से हुआ। 1930 में डिग्री पाठ्यक्रम आरंभ किए गए और 1938 में विश्वविद्यालय द्वारा इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय को डिग्री कॉलेज के रूप में मान्यता प्रदान की गई। कुछ वर्षों के पश्चात् यह महाविद्यालय सिविल लाइंस क्षेत्र के चन्द्रावली भवन में स्थानांतरित कर दिया गया और फिर इसके बाद 1938 में इसे ब्रिटिश कमांडर इन चीफ के अलीपुर रोड (अब शाम नाथ मार्ग) स्थित 'अलीपुर हाउस' वाले कार्यालय–सह–आवास में पुनः स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ यह आज अवस्थित है।

थियोसॉफिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया से संबद्ध समाजसेवियों के प्रयासों से मूल विद्यालय और महाविद्यालय विकसित हुआ। उन्हें थियोसॉफिस्ट श्रीमती एनी बेसेंट से प्रेरणा मिली थी। एनी बेसेंट ने उत्तर भारत की महिलाओं को शिक्षित करने का उस समय बीड़ा उठाया जबकि महिलाएँ घर की चारदीवारी तक ही सीमित थीं। उन्हें ऐसा लगता था कि विवाह और मातृत्व ही उनकी नियति है। अगले दशकों में इस महाविद्यालय की दृष्टि और व्यापक हुई जो महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तिकरण पर केन्द्रित है।

इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय ने राष्ट्रीय आंदोलन, शिक्षा सुधार आंदोलन और महिला आंदोलन में भाग लिया है और आज यह अपने आप में ही एक आंदोलन है। शिक्षा और सेवाओं के क्षेत्र में इसकी गौरवशाली परंपरा है जिसका पिछले वर्षों में विकास हुआ है। एक सुन्दर भवन में अवस्थित इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय 14.5 एकड़ के हरे–भरे परिसर में अवस्थित है। 2002 में इसके भवन को विरासत का दर्जा प्रदान किया गया। उपनिवेशीय दिल्ली के हैरिटेज वॉक के लिए यह महाविद्यालय मील का पत्थर है। अब जबकि यह महाविद्यालय अपनी शताब्दी मनाने के पथ पर अग्रसर है तो यहाँ अनेक शैक्षणिक और अवसंरचनात्मक स्त्रोतों को जोड़ा गया है। यहाँ अपनी मूल दृष्टि, वंचितों का सशक्तिकरण और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने का सदैव ध्यान रखा जाता है।

दृष्टि

इस महाविद्यालय की दृष्टि है—युवतियों को शिक्षित करना, समर्थ बनाना और उनका सशक्तिकरण, उनमें से वंचितों और समाज के कमज़ोर वर्ग की महिलाओं को न्याय दिलाना और समाज में न्याय और समानता सुनिश्चित करना।

मिशन

इसका मिशन है—अपनी छात्राओं को ऐसी शिक्षा प्रदान करना जो रोज़गार पर तो केन्द्रित हो किन्तु साथ ही साथ उन्हें समाज सेवा के प्रति अभिमुख करने और अपने समाज के लिए बेहतर जीवन प्रदान करने के लिए भी संवेदनशील बनाया जाए। इस महाविद्यालय का प्रयास है कि आत्मविश्वासी और ज़िम्मेदार नागरिक तैयार किए जाएं जो इस महाविद्यालय के उद्देश्य '' सत्य, प्रेम, ज्ञान, सेवा'' में निहित मूल्यों को कायम रख सकें। इस प्रयोजन से महाविद्यालय का मिशन वक्तव्य है कि अपने विद्यार्थियों के लिए संस्था की परंपराओं और मूल्यों को बरकरार रखा जाए। मिशन गत्यात्मक है और इसके कार्य सुपरिभाषित हैं और उनकी समय–समय पर समीक्षा की जाती है जिससे कि परिवर्तनशील समय की चुनौतियों का सामना किया जा सके और अवसरों का लाभ उठाया जा सके।

लक्ष्य

महाविद्यालय के लक्ष्यों को मिशन के कार्यों में निर्दिष्ट किया गया है। महाविद्यालय अपने कार्यों द्वारा निम्नलिखित को अन्तर्निविष्ट करना चाहता है :

- एक महिला के रूप में आत्मविश्वास (रणनीति बनाने में सक्षम करने और महिला सशक्तिकरण के माध्यम से)
- इतिहास, विरासत और पर्यावरण के प्रति जागरूकता (इन सबके बीच अपनी अवस्थिति के माध्यम से और वैश्विक समस्याओं और मुद्दों के साथ उनका जुड़ाव)
- दूसरों का सम्मान और उनके प्रति संवेदनशीलता (सांस्कृतिक विविधता, भाषाओं, मानव अधिकारों से परिचित कराकर)
- नागरिक मूल्य (नागरिक भावना, समाज में आचरण, नेतृत्व, अधिकार और कर्त्तव्य)
- वैज्ञानिक स्वभाव और तर्कसंगत सोच को बढ़ावा देना और उसका निर्माण करना (अंतःविषय ; विषय–वस्तु आधारित गतिविधियों और शोध के माध्यम से)
- प्रस्तुतिकरण और लेखन कौशल का विकास (शोध और नवप्रवर्तन के लिए प्रोत्साहन द्वारा)
- रोज़गार और जीवन कौशल का वर्धन (व्यक्तिगत प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के माध्यम से)
- पाठ्यक्रम और सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से महाविद्यालय में समग्र विकास (कम से कम दो सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में अनिवार्य सदस्यता और प्रतिभागिता के माध्यम से)

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय के विषय में

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय (1924 में स्थापित) दिल्ली विश्वविद्यालय का संघटक और सबसे पुराना महिला कॉलेज है। इस महाविद्यालय की स्थापना स्त्री–शिक्षा एवं स्त्री–सशक्तिकरण के राष्ट्रीय अभियान को रूप देने के लिए हुई। यह सुन्दर परिसर में अवस्थित है। यह विरासत स्थल है और दिल्ली के मानचित्र पर इसका ऐतिहासिक महत्त्व है। इसके विभिन्न पूर्वस्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में लगभग 3500 छात्राएँ हैं। मानविकी, गणित तथा वाणिज्य के क्षेत्र में महाविद्यालय ऐसे अनेक पाठ्यक्रम चलाता है जिनमें अंतःविषय अध्ययन को प्रोत्साहन दिया जाता है। जुलाई 2017 के शैक्षणिक सत्र से दो नए पाठ्यक्रम बी.ए (ऑनर्स) समाज शास्त्र तथा बी.ए (ऑनर्स) भूगोल आरम्भ हो गए हैं। महाविद्यालय द्वारा विशिष्ट रूप से बी.ए (ऑनर्स) मल्टी मीडिया तथा जनसंचार में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है।

महाविद्यालय की छात्र सेवाओं में विविधता एकीकरण कार्यक्रम सम्मिलित है। यहाँ आवश्यकता पर आधारित पॉलिसी अपनाई जाती है और छात्राओं को प्रवेश के समय आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। महाविद्यालय 100 प्रतिशत बाधामुक्त है और यहाँ "एक ही छत के नीचे" सक्षमता इकाई (Enabling Unit) और समान अवसर प्रकोष्ठ (Equal Opportunity Cell) हैं। सक्रिय वित्तीय सहायता पॉलिसी के अतिरिक्त महाविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमज़ोर और दिव्यांग छात्राओं को अंग्रेज़ी तथा आई.सी.टी. तकनीक में सक्षम बनाने के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। महाविद्यालय द्वारा अपनी वार्षिक रिपोर्ट तथा विवरण–पुस्तिका हिंदी में भी प्रकाशित की जाती है। महाविद्यालय की वेबसाइट हिन्दी में भी उपलब्ध है।

उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छुक छात्राओं के लिए शोध पद्धति कार्यक्रम है। महाविद्यालय द्वारा नवोन्मेषी और मूल परियोजनाओं के लिए पूर्वस्नातक शोध अनुदान संस्थापित किया गया है। यहाँ इंटरनेशनल स्टूडेंट्स डेस्क, नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी और सक्रिय विमेंस डेवलपमेंट सेल के अंतर्गत जेंडर सेंसिटाइज़ेशन सेल है। महाविद्यालय में बुनियादी चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ चिकित्सा संबंधी आपात स्थिति के लिए पास के अस्पताल से एक नर्स और एक काउंसलर नियमित रूप से उपलब्ध रहते हैं। महाविद्यालय में मेंटरशिप प्रोग्राम और करियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल भी हैं।

महाविद्यालय द्वारा छह शोध एवं शिक्षा संसाधन केन्द्र बनाए गए हैं। संग्रहालय और अभिलेखागार शिक्षा संसाधन केन्द्र में महाविद्यालय की विरासत और समकालीन प्रदर्श हैं। अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केन्द्र भाषाओं से संबंधित स्वतंत्र शोध और कौशल विकास के लिए है। पृथ्वी अध्ययन केन्द्र द्वारा पारिस्थितिकी और पर्यावरण को बढ़ावा दिया जाता है तथा अंतःविषय अध्ययन केन्द्र महाविद्यालय के सभी विषयों को एक–साथ जोड़ता है। 2017 में दो नए केन्द्र – संस्कृत अध्ययन और शोध केन्द्र तथा संगीत अभिलेखागार और श्रवण कक्ष – खोले गए।

महाविद्यालय में दो छात्रावास हैं जिनमें 450 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। 170 छात्राओं के रहने की सुविधा से युक्त इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय महिला छात्रावास तथा कलावती गुप्ता (के.जी.) छात्रावास जहाँ कुल 280 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। वर्तमान में इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय महिला छात्रावास का नवीकरण किया जा रहा है और यह जुलाई 2018 तक खुल जाएगा। यहाँ वातानुकूलित कक्षों का विकल्प उपलब्ध है।

महाविद्यालय के पुस्तकालय में बुक बैंक, दिव्यांग छात्राओं के लिए लिफ्ट और 80 कम्प्यूटरों से युक्त आई.सी.टी. सेंटर भी है। महाविद्यालय में संपादन की सुविधाओं से युक्त स्टूडियो और प्रोडक्शन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय सामुदायिक रेडियो के माध्यम से विश्वव्यापी प्रसारण सुविधाओं से युक्त सामुदायिक रेडियो के लिए हब, दृश्य–श्रव्य संसाधन केन्द्र, संगोष्ठी कक्ष, अत्याधुनिक सम्मेलन कक्ष, 586 सीटों की क्षमता वाला पूर्णतः वातानुकूलित ऑडिटोरियम, प्रदर्शनियों के लिए चार प्रकोष्ठ, सुपरिष्कृत प्रयोगशालाएँ और महाविद्यालय की शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए सहायक अन्य अवसंरचनाएँ उपलब्ध हैं। महाविद्यालय में खेल के विशाल मैदान हैं। यहाँ तरणताल, क्लाइम्बिंग वॉल, वॉकिंग ट्रैक, व्यायामशाला, शूटिंग रेंज, फिटनेस सेंटर जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। महाविद्यालय द्वारा अनेक पाठ्येतर गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जाता है। इसके पास 26 सीटों वाली बस है। महाविद्यालय की विशाल अवसंरचना को संभालने के लिए बिजली का पूरा बैक–अप है जिससे कि इसकी गतिविधियाँ बाधामुक्त चल सकें।

महाविद्यालय में सक्रिय गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC) है जिसके द्वारा अपनी वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट नियमित रूप से प्रत्यायन निकाय के समक्ष प्रस्तुत की जाती है।

अध्ययन पाठ्यक्रम

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय द्वारा कला, वाणिज्य और गणितीय विज्ञान, इन तीनों विषयों में प्रवेश दिए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अंतर्गत सेमेस्टर पद्धति में पढ़ाए जाते हैं।

कला

बी.ए. (ऑनर्स)

अर्थशास्त्र	हिंदी	दर्शन शास्त्र	संस्कृत
अंग्रेज़ी	इतिहास	राजनीति शास्त्र	समाज शास्त्र
भूगोल	संगीत	मनोविज्ञान	

बी.ए. (ऑनर्स) मल्टी मीडिया और जनसंचार (स्ववित्तपोषित)

बी.ए. प्रोग्राम

कॉमर्स

बी.कॉम. (ऑनर्स)

गणितीय विज्ञान

बी.एससी. (ऑनर्स) कम्प्यूटर साइंस

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित

सीटों का वितरण

पाठ्यक्रम	सामान्य	अ.जा.	अ.जजा.	अ.पि.व.	योग	दिव्यांग	*प्र.वि.छा.यो.
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	26	8	4	14	52	3	-
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी	26	8	4	14	52	3	-
बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल	23	7	3	13	46	1	-
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	26	8	4	14	52	3	-
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	26	8	4	14	52	3	2
बी.ए. (ऑनर्स) मल्टी मीडिया और जनसंचार	26	8	4	14	52	1	-
बी.ए. (ऑनर्स) संगीत	19	6	3	10	37	3	-
बी.ए. (ऑनर्स) दर्शन शास्त्र	26	8	4	14	52	3	2
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति शास्त्र	57	17	9	31	114	6	2
बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	26	8	4	14	52	3	-
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	26	8	4	14	52	3	-
बी.ए. (ऑनर्स) समाज शास्त्र	23	7	3	13	46	2	-
बी.कॉम. (ऑनर्स)	57	17	9	31	114	4	-
बी.एससी. (ऑनर्स) कम्प्यूटर साइंस	26	8	4	14	52	2	-
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	26	8	4	14	52	3	2
बी.ए. (प्रोग्राम)	115	34	17	62	228	12	2
				कुल योग	**1105**		

*जम्मू और कश्मीर की छात्राओं के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना

अतिरिक्त सीटें

- कुल सीटों का 5% दिव्यांगों के लिए आरक्षित है।
- कुल सीटों का 3% खेल कोटा के अंतर्गत प्रविष्ट छात्राओं के लिए आरक्षित है।
- 5% सीटें विदेशी छात्राओं के लिए आरक्षित हैं।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम में 5% सीटें सशस्त्र बलों के पात्र कर्मचारियों की संतानों/विधवाओं के लिए आरक्षित हैं। (CW Categories)
- 10 सीटें प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत जम्मू और कश्मीर की छात्राओं के लिए आरक्षित हैं। प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत चयनित आवेदक को महाविद्यालय में सीधे प्रवेश दिया जाएगा।
- वार्ड कोटा : विश्वविद्यालय/अन्य महाविद्यालयों के कर्मचारियों (शैक्षणिक/ग़ैर शैक्षणिक) के वार्ड (पुत्रियों) के प्रवेश हेतु, योग्यता और पात्रता की न्यूनतम शर्तों को पूरा करने के आधार पर कुल सीटों की संख्या छह (तीन सीटें शैक्षणिक और तीन सीटें ग़ैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए) से अधिक नहीं होगी। चौथी कट ऑफ सूची के साथ और उसके पश्चात् वार्ड कोटा के अंतर्गत प्रवेश दिए जाएंगे। वार्ड कोटा के अंतर्गत प्रवेश दिए जाने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन होगी।

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : कुल सीटें : 232

दिल्ली विश्वविद्यालय के संबंधित संकाय में प्रवेश के बाद छात्राओं को महाविद्यालय में निम्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निम्न पाठ्यक्रमों में सीटें आबंटित की जाती हैं :

अंग्रेज़ी, हिंदी, इतिहास, गणित, संगीत, ऑपरेशनल रिसर्च, दर्शन शास्त्र, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान और संस्कृत

कौशल विकास पाठ्यक्रम और प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम :

महाविद्यालय द्वारा अनेक कौशल विकास कार्यक्रम और प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। इन पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी जुलाई 2018 में सत्र के आरंभ होने के पश्चात् अधिसूचित की जाएगी। अद्यतन जानकारी के लिए कृपया महाविद्यालय की वेबसाइट और नोटिस बोर्डों का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें।

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली - एक नज़र में

बी.ए./बी.कॉम./बी.एससी. ऑनर्स पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम संरचना

सेमेस्टर	कोर पाठ्यक्रम (14)	क्षमता बढ़ाने वाले अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC) (2)	कौशल बढ़ाने वाले पाठ्यक्रम (SEC) (2)	विषय विशेष पर इलेक्टिव DSE (4)	जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GEC) (4)
I	C1	पर्यावरणीय विज्ञान/ (हिंदी/ अंग्रेज़ी/ आ.भा.भा.सं.)			GEC 1
	C2				
II	C3	(हिंदी/ अंग्रेज़ी/ आ.भा.भा.सं.)/ पर्यावरणीय विज्ञान)			GEC 2
	C4				
III	C5		SEC 1		GEC 3
	C6				
	C7				
IV	C8		SEC 2		GEC 4
	C9				
	C10				
V	C11			DSE1	
	C12			DSE2	
VI	C13			DSE3	
	C14			DSE4	

टिप्पणी : सेमेस्टर VI में किसी विषय विशेष पर इलेक्टिव पाठ्यक्रम के बदले प्रोजेक्ट/शोध निबंध का चयन करें।

क्रेडिट संबंधी विवरण

- सभी कोर और विषय विशेष पर इलेक्टिव पाठ्यक्रम उस मुख्य विषय के हैं जिसमें कोई छात्रा ऑनर्स की डिग्री के लिए अध्ययन कर रही है। जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम अंतःविषय पाठ्यक्रम हैं जिन्हें महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त पाठ्यक्रमों में से चुना जाए।
- सभी कोर, विषय विशेष पर इलेक्टिव पाठ्यक्रम तथा जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रमों में प्रत्येक के 06 क्रेडिट पॉइंट्स हैं जबकि क्षमता बढ़ाने वाले अनिवार्य पाठ्यक्रम तथा कौशल बढ़ाने वाले पाठ्यक्रम के 04 क्रेडिट पॉइंट्स हैं।
- ऑनर्स में स्नातक डिग्री प्राप्त करने के लिए 148 क्रेडिट पॉइंट्स अपेक्षित हैं।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार किसी विषय विशेष में 24 क्रेडिट पॉइंट्स प्राप्त करने को संबंधित विषय में प्रवेश हेतु, भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थाओं में स्नातकोत्तर/तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता माना जाए।

टिप्पणी : अधिक जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in से संदर्भ लें।

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली-एक नज़र में

बी.ए. प्रोग्राम पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम संरचना

सेमेस्टर	कोर पाठ्यक्रम (12)	क्षमता बढ़ाने वाले अनिवार्य पाठ्यक्रम (AECC) (2)	कौशल बढ़ाने वाले पाठ्यक्रम (SEC) (4)	विषय विशेष पर इलेक्टिव DSE (4)	जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम (GEC)
I	भाषा पाठ्यक्रम – 1 (हिंदी/ संस्कृत/ के बदले)/ अंग्रेज़ी	पर्यावरणीय विज्ञान / (हिंदी/अंग्रेज़ी / आ.भा.भा.सं.)			
	विषय पाठ्यक्रम – 1				
	विषय पाठ्यक्रम – 2				
II	भाषा पाठ्यक्रम – 2 अंग्रेज़ी/ (हिंदी/संस्कृत/ के बदले)	(हिंदी/अंग्रेज़ी/ आ.भा.भा.सं.) / पर्यावरणीय विज्ञान			
	विषय पाठ्यक्रम – 1				
	विषय पाठ्यक्रम – 2				
III	भाषा पाठ्यक्रम – 1 (हिंदी/ संस्कृत/ के बदले)/अंग्रेज़ी		SEC 1		
	विषय पाठ्यक्रम – 1				
	विषय पाठ्यक्रम – 2				
IV	भाषा पाठ्यक्रम – 2 अंग्रेज़ी/ (हिंदी / संस्कृत /के बदले)		SEC 2		
	विषय पाठ्यक्रम – 1				
	विषय पाठ्यक्रम – 2				
V			SEC 3	DSE-1	GEC-1
				DSE-2	
VI			SEC 4	DSE-1	GEC-2
				DSE-2	

टिप्पणी : सेमेस्टर VI में किसी विषय विशेष पर इलेक्टिव पाठ्यक्रम के बदले प्रोजेक्ट/शोध निबंध का चयन करें।

क्रेडिट संबंधी विवरण

- जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रम अंत:विषय पाठ्यक्रम हैं जिन्हें महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त पाठ्यक्रमों में से चुना जाए।
- सभी विषय पाठ्यक्रम, विषय विशेष पर इलेक्टिव पाठ्यक्रम तथा जेनेरिक इलेक्टिव पाठ्यक्रमों में प्रत्येक के 06 क्रेडिट पॉइंट्स हैं जबकि क्षमता बढ़ाने वाले अनिवार्य पाठ्यक्रम तथा कौशल बढ़ाने वाले पाठ्यक्रम के 04 क्रेडिट पॉइंट्स हैं।
- स्नातक डिग्री प्राप्त करने के लिए 132 क्रेडिट पॉइंट्स अपेक्षित हैं।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुसार किसी विषय विशेष में 24 क्रेडिट पॉइंट्स प्राप्त करने को संबंधित विषय में प्रवेश हेतु, भारतीय विश्वविद्यालयों / संस्थाओं में स्नातकोत्तर / तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता माना जाए।

टिप्पणी : अधिक जानकारी के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in से संदर्भ लें।

बी.ए. प्रोग्राम पाठ्यक्रम के लिए प्रदत्त विषयों का संयोजन

कॉलम ए से किसी एक विषय और कॉलम बी से किसी संबंधित विषय का चयन करें

कॉलम A	**कॉलम B**
विषय I	**विषय II के लिए विकल्प**
कम्प्यूटर अनुप्रयोग (क.अनु.)	अर्थशास्त्र, हिंदी D, मा.सं.प्र., गणित, संस्कृत D
अर्थशास्त्र	क.अनु., इतिहास, मा.सं.प्र., गणित, राजनीति शास्त्र
अंग्रेज़ी विषय (अंग्रेज़ी D)	इतिहास, दर्शन शास्त्र, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान
हिंदी विषय (हिंदी D)	क.अनु., इतिहास, राजनीति शास्त्र, संस्कृत D
इतिहास	अर्थशास्त्र, अंग्रेज़ी D, हिंदी D, दर्शन शास्त्र, राजनीति शास्त्र, संस्कृत D
मानव संसाधन प्रबंधन (मा.सं.प्र.)	क.अनु. अर्थशास्त्र, गणित, दर्शन शास्त्र, मनोविज्ञान
गणित	क.अनु. अर्थशास्त्र, मा.सं.प्र., दर्शन शास्त्र
दर्शन शास्त्र	अंग्रेज़ी D, इतिहास, मा.सं.प्र., गणित, मनोविज्ञान
राजनीति शास्त्र	अर्थशास्त्र, अंग्रेज़ी D, हिंदी D, इतिहास, संस्कृत D
मनोविज्ञान	अंग्रेज़ी D, मा.सं.प्र., दर्शन शास्त्र
संस्कृत विषय (संस्कृत D)*	क.अनु., हिंदी D, इतिहास, राजनीति शास्त्र

*** जिन छात्राओं ने मात्र आठवीं कक्षा तक संस्कृत विषय का अध्ययन किया है उन्हें भी विषय पाठ्यक्रम के रूप में संस्कृत का विकल्प लेने की अनुमति है।**

अनिवार्य भाषा पाठ्यक्रमों का चयन करने के लिए मापदंड

अंग्रेज़ी A

- जिन्होंने बारहवीं कक्षा तक अंग्रेज़ी का अध्ययन किया है वे अंग्रेज़ी में अनिवार्य भाषा पाठ्यक्रम के रूप में अंग्रेज़ी A का अध्ययन करेंगी।

अंग्रेज़ी B

- जिन्होंने दसवीं/आठवीं कक्षा तक अंग्रेज़ी का अध्ययन किया है वे अंग्रेज़ी में अनिवार्य भाषा पाठ्यक्रम के रूप में अंग्रेज़ी B का अध्ययन करेंगी।

हिंदी A

- जिन्होंने बारहवीं कक्षा तक हिंदी का अध्ययन किया है वे हिंदी में अनिवार्य भाषा पाठ्यक्रम के रूप में हिंदी A का अध्ययन करेंगी।

हिंदी B

- जिन्होंने दसवीं/आठवीं कक्षा तक हिंदी का अध्ययन किया है वे हिंदी में अनिवार्य भाषा पाठ्यक्रम के रूप में हिंदी B का अध्ययन करेंगी।

संस्कृत

- जिन्होंने आठवीं कक्षा तक संस्कृत का अध्ययन किया है वे हिंदी में अनिवार्य भाषा पाठ्यक्रम के बदले अनिवार्य भाषा पाठ्यक्रम के रूप में संस्कृत का विकल्प ले सकती हैं।

के बदले

- जिन छात्राओं ने आठवीं कक्षा तक हिंदी का अध्ययन किया है वे हिंदी के बदले इतिहास या दर्शन शास्त्र का विकल्प ले सकती हैं
- जो छात्राएँ **हिंदी के बदले इतिहास** का विकल्प चुनती हैं वे मात्र निम्न संयोजन ले सकती हैं :
  अर्थशास्त्र और राजनीति शास्त्र
  अंग्रेज़ी D और राजनीति शास्त्र
  अंग्रेज़ी D और मनोविज्ञान
  दर्शन शास्त्र और मनोविज्ञान
- जो छात्राएँ **हिंदी के बदले दर्शन शास्त्र** का विकल्प चुनती हैं वे मात्र निम्न संयोजन ले सकती हैं :
  अंग्रेज़ी D और इतिहास
  अंग्रेज़ी D और राजनीति शास्त्र
  अंग्रेज़ी D और मनोविज्ञान
  मानव संसाधन प्रबंधन और मनोविज्ञान

मल्टी मीडिया और जनसंचार (स्ववित्तपोषित)

निर्माण नियंत्रण कक्ष

सम्पादन खंड

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एकमात्र कॉलेज है जहाँ बी.ए. (ऑनर्स) मल्टी मीडिया और जनसंचार पाठ्यक्रम पढ़ाया जाता है। यह स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम है और इसे दिल्ली विश्वविद्यालय का अनुमोदन प्राप्त है। यह पाठ्यक्रम अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान और मानविकी संकाय (FAASH) के अंतर्गत आता है और समाज विज्ञान तथा मानविकी के मूलभूत सिद्धांतों और इनकी अंतःविषयात्मक प्रकृति पर आधारित है। यह अनुप्रयोग पाठ्यक्रम भी है जिसमें अद्यतन प्रौद्योगिकी के प्रयोग में तकनीकी ज्ञान, कौशल और व्यक्तिगत प्रशिक्षण दिया जाता है।

इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य इसका अध्ययन करने वाली छात्राओं को समालोचना और विश्लेषण करना सिखाना है। जो इसके सिद्धांत पक्ष और संचार के अनुप्रयोग समग्र रूप से प्रशिक्षित हैं और मीडिया टेक्नोलॉजी और मीडिया प्रैक्टिसेज़ के व्यापक क्षेत्र में इसका प्रयोग करने में सक्षम हैं। इस पाठ्यक्रम में मीडिया उद्योग के लिए कुशल कर्मी तैयार करने पर ही नहीं अपितु जनसंचार के सभी क्षेत्रों की जटिलताओं, राजनीतिक डायनमिक्स, तकनीकी विकास और परिवर्तनों से अवगत कराना और संचार की समझ पैदा करने पर भी ज़ोर देना है।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मीडिया के विस्तार के परे, लोक–नीति, निर्माण और उच्चतर और विशेष शिक्षा के क्षेत्र में छात्राओं को रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराना है। इस पाठ्यक्रम में डिग्री प्राप्त करने के लिए अनिवार्य संघटक है – किसी संबंधित एजेंसी में 4–सप्ताह की इंटर्नशिप। इस पाठ्यक्रम के कुछ महत्त्वपूर्ण क्षेत्र वे हैं जो राष्ट्रीय कार्यसूची के महत्त्वपूर्ण भाग हैं और महाविद्यालय ज्ञान के अनुप्रयोग और कौशल विकास के क्षेत्रों में भारत सरकार की आउटरीच नीति और कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए इच्छुक है।

इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय में इस पाठ्यक्रम को चलाने के लिए अवसंरचनात्मक साधन उपलब्ध हैं। विभाग में दृश्य–श्रव्य संसाधन केन्द्र है। यहाँ पूरी तरह से लैस स्टूडियो, रेडियो प्रोडक्शन सेंटर, संपादन कक्ष, डार्क रूम, अद्यतन सॉफ्टवेयर और एप्लीकेशन्स तथा आंतरिक प्रशिक्षण और निर्माण के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं।

यह पाठ्यक्रम महाविद्यालय के संबंधित विभागों और अन्य संस्थाओं के संकाय और मीडिया उद्योग के विशेषज्ञों और मीडिया कर्मियों द्वारा पढ़ाया जाता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।

डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ
विभागाध्यक्ष
डॉ. रेखा सेठी
समन्वयक

सामुदायिक रेडियो लिंक का उद्घाटन

ऑडियो रिकॉर्डिंग स्टूडियो

शिक्षा केन्द्र

संग्रहालय और अभिलेखागार शिक्षा संसाधन केन्द्र

2015 में महाविद्यालय के अभिलेखागार का विस्तार संग्रहालय और शिक्षा संसाधन केन्द्र के रूप में किया गया और इसे आधुनिक प्रदर्शनी वीथिका में स्थानांतरित कर दिया गया। इस समय यहाँ 1924–2006 की कालावधि को लिया गया है और इसका विस्तार करने की योजना है। इसकी अधिकतर वस्तुएँ शासी निकाय के पूर्व अध्यक्ष, स्वर्गीय श्री नारायण प्रसाद द्वारा दानस्वरूप दी गई हैं। संग्रहालय और अभिलेखागार में महाविद्यालय के इतिहास (जो दिल्ली शहर के इतिहास, नारी शिक्षा आंदोलन और स्वतंत्रता आंदोलन से भी जुड़ा हुआ है) से संबंधित अनेक आकर्षक और दुर्लभ दस्तावेज़ हैं। छायाचित्रों और पत्रिकाओं में महाविद्यालय के जीवन से जुड़े रोचक क्षणों और घटनाओं को दर्शाया गया है। इन्हें पुनःस्थापित और डिजिटाइज़ किया गया है जिससे कि दर्शक इन्हें देख सकें और इच्छुक विद्वान् इन पर शोध कर सकें। केन्द्र द्वारा वर्तमान में सिडनी यूनिवर्सिटी के सहयोग से एक शोध परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। यह प्रतिष्ठित सहपीडिया विरासत परियोजना का भाग है। महाविद्यालय सहित संग्रहालय और अभिलेखागार दिल्ली हैरिटेज वॉक के लिए भी प्रचलित स्टॉप है।

अध्यक्ष : डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ
समन्वयक : डॉ. मीना भार्गव

अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केन्द्र

अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केन्द्र की स्थापना 2015 में की गई थी। दोनों भाषाओं और सांस्कृतिक विविधता के प्रति छात्राओं की रुचि जागृत करने हेतु, विशेष रूप से भारत में, अनुवाद को एक गतिविधि के रूप में प्रोत्साहित किया गया है। महाविद्यालय द्वारा भारत में अनुवाद और अनुवाद अध्ययन की उभरते हुए क्षेत्र के रूप में पहचान की गई है जिसके लिए शैक्षणिक संलग्नता और जिज्ञासु विद्वता की आवश्यकता है। यहाँ अनुवाद को ऐसे क्षेत्र के रूप में देखा जाता है जहाँ विविध प्रकार के शैक्षणिक कार्यों और शोध के लिए भाषा कौशल को अभिनियोजित करने के साथ–साथ रोज़गार के अवसरों की संभावनाएँ भी हैं। केन्द्र की गतिविधि का उद्देश्य शोध और स्वतंत्र शिक्षा को प्रोत्साहित करना है। यह सभी विभागों के लिए है। जिससे कि भिन्न–भिन्न विषयों की छात्राएँ इसमें भाग ले सकें। केन्द्र द्वारा छात्राओं की अनुवाद पत्रिका 'CODE' वार्षिक रूप से प्रकाशित की जाती है। केन्द्र द्वारा वर्ष भर भाषा से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। केन्द्र में वार्ता प्रस्तुत करने के लिए विद्वानों और अनुवादकों को आमंत्रित किया जाता है। 'सम्पादन और प्रकाशन' पर प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम (द्विभाषी) भी चलाया जाता है जो छात्राओं में काफी लोकप्रिय है।

अध्यक्ष : डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ
समन्वयक : डॉ. विनीता सिन्हा और डॉ. रेखा सेठी

पृथ्वी अध्ययन केन्द्र

पृथ्वी अध्ययन केन्द्र का आरंभ 2016 में हुआ था। यह सतत विकास के लिए पर्यावरण से संबंधित विषयों पर छात्राओं द्वारा शोध और परियोजना–उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देता है। इसका विशिष्ट लक्ष्य और उद्देश्य महाविद्यालय समुदाय को बहुआयामी दृष्टिकोण में आसन्न जलवायु घटनाक्रम का सामना करने के लिए जागरुक और तैयार करना है। 2016 के विषय थे – आपदा प्रबंधन (विशेष रूप से दिल्ली में भूचाल पर केन्द्रित) और महाविद्यालय का पक्षी जीवन। इस विषय को आगे बढ़ाने के लिए महाविद्यालय द्वारा 'डिज़ास्टर रिस्क मैनेजमेंट प्रिपेयर्डनेस : नॉलेज फॉर लाइफ' पर एड ऑन सर्टिफिकेट कोर्स का आरंभ किया गया। महाविद्यालय ऐसे कार्यदल का भी विकास करना चाहता है जो आपदा का सामना करने के लिए दिमाग़ी और तकनीकी रूप से तैयार हो। केन्द्र द्वारा सतत विकास और पर्यावरण संबंधी चेतना से संबंधित विषयों पर गुणवत्ता समीक्षित द जर्नल ऑफ इनोवेशन फॉर इंक्लूसिव डेवलपमेंट नामक छमाही पत्रिका भी निकाली जाती है। केन्द्र द्वारा पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित करने वाले विविध विषयों पर कार्यशालाओं, वार्ताओं और संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है। 2017 में इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय के वृक्षों की गणना से संबंधित रिपोर्ट प्रकाशित की गई। महाविद्यालय के ईको क्लब द्वारा संचालित नवोन्मेषी परियोजना ग्रीन लैब एक सहयोगात्मक, नवोन्मेषी परियोजना है जिसमें छोटे शहरी स्थानों पर हरी सब्ज़ियों की जैविक वृद्धि का अन्वेषण किया जाता है। छात्राओं को अन्य ध्यानाकर्षण क्षेत्रों से संबंधित प्रस्ताव भेजने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

अध्यक्ष : डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ
समन्वयक : डॉ. अनिंदिता रॉय साहा

अंत:विषय अध्ययन केन्द्र

उच्चतर शिक्षा में मानवीय स्थिति की व्यापक समझ के महत्त्व और उसके मध्य हमारे स्थान को कम नहीं आँका जा सकता। शैक्षणिक विषयों का परस्पर संबंध और उनका एक–दूसरे पर प्रभाव, विविध विषयों में हमारी समझ को बढ़ाते और गहरी समझ ही पैदा नहीं करते अपितु हमारे आसपास की वास्तविकताओं के समग्र मूल्याकन को भी बढ़ावा देते हैं। इसके साथ–साथ विशिष्ट विषयों की पद्धतियों को, उनसे संबंधित अध्ययन की वस्तुओं के साथ समझा जाता है। आशा है कि 2016 में स्थापित अंत:विषय अध्ययन केन्द्र, छात्राओं में ऐसी शैक्षणिक जिज्ञासा उत्पन्न करेगा जो सामाजिक घटनाओं को समझने और उनका विश्लेषण तथा समालोचना करने के लिए आवश्यक है। केन्द्र द्वारा छात्राओं को शोध और परियोजनाओं के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके द्वारा संगोष्ठियों, सम्मेलनों और विद्वानों तथा छात्राओं द्वारा प्रस्तुत वार्ताओं का भी आयोजन किया जाता है। केन्द्र द्वारा 'दिल्ली : पर्सपेक्टिव्ज़ ऑन दिल्ली' पर संगोष्ठी श्रृंखला और महाविद्यालय परिसर के प्रवासी मज़दूरों के साथ 'हम सब' आउटरीच शोध परियोजना का आरंभ किया गया। विशेष रूप से यह केन्द्र ऐसा मंच प्रस्तुत करता है जहाँ दिल्ली के विविध विश्वविद्यालयों के युवा विद्वानों को अपने शोध को प्रस्तुत करने, हमारी छात्राओं को प्रोत्साहित करने और अपने सहकर्मियों से वार्तालाप के लिए नियमित रूप से आमंत्रित किया जाएगा।

अध्यक्ष : डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ
समन्वयक : डॉ. रश्मि पंत

संगीत अभिलेखागार और श्रवण कक्ष

2017 में स्थापित संगीत अभिलेखागार और श्रवण कक्ष एक अनुपम परियोजना है जिसमें "संगीत" को सुनने और उसकी निर्माण संबंधी सभी बारीकियों को प्रकट करना शामिल है। पंडित बिश्वजीत रॉय चौधुरी और श्री रोहेन बोस की संगीतमय प्रस्तुति और डॉ. उर्मिला भिरड़ीकर तथा प्रोफेसर पार्थो दत्ता की पैनल चर्चा से इसका उद्घाटन हुआ। अभिलेखागार, संगीतप्रेमियों और भारतीय शास्त्रीय संगीत की विविध विधाओं तथा रूपों का अभ्यास करने वाले व्यक्तियों से दानस्वरूप प्राप्त संग्रह से तैयार किया गया है। यहाँ आपको दुर्लभ रिकॉर्डिंग्स, सूचना और सूचीपत्र मिलेंगे। संगीत अभिलेखागार द्वारा भारतीय भाषाओं में संगीत पर लिखित ग्रंथों का भी अनुवाद कराए जाने का प्रस्ताव है जिससे कि व्यापक जनसमुदाय इसका लाभ उठा सके। महाविद्यालय के स्टूडियो और रिकॉर्डिंग रूम में जहाँ कहीं भी अवसर होगा, प्रस्तुतियों सहित साक्षात्कार को रिकॉर्ड किया जाएगा और उसे डिजिटल रूप में अभिलिखित किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रति रुचि जागृत करना और उसके प्रसार के साथ–साथ संगीत के प्रति समझ भी पैदा करना है।

अध्यक्ष : डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ
समन्वयक : सुश्री अनीता बनर्जी और डॉ. प्रगति मोहापात्रा

संस्कृत अध्ययन और शोध केन्द्र

2017 में स्थापित संस्कृत अध्ययन और शोध केन्द्र की कल्पना अमूल्य विरासत के रूप में संस्कृत भाषा, जो इसमें समाहित ज्ञान के विशाल भंडार की कुंजी है, के अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए की गई है। यह भाषा विज्ञान, इतिहास, साहित्य, दर्शन शास्त्र, गणित आदि जैसे विषयों के साथ संस्कृत के इंटरफेस पर केंद्रित होगा। यह अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केन्द्र की एक शाखा है और महाविद्यालय में संस्कृत के दुर्लभ ग्रंथों के संग्रह पर आधारित है। यह केन्द्र संस्कृत के ध्वनि विज्ञान के साथ–साथ भाषा कौशल के अर्जन को भी बढ़ावा देगा। यह संस्कृत से अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवाद को भी प्रोत्साहित करेगा। केन्द्र द्वारा विशेष रूप से युवा वर्ग को संस्कृत से परिचित कराने और उसके मध्य संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसका महाविद्यालय के सभी शिक्षा और संसाधन केन्द्रों की उन गतिविधियों के साथ नेटवर्क होगा जिनमें संस्कृत भाषा और उसके लेखन के योगदान को उजागर करने की संभावना होगी। यह समान सोच वाले शैक्षणिक और सांस्कृतिक निकायों के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए सहयोग करेगा जिससे कि केन्द्र को आगे बढ़ाया जा सके।

अध्यक्ष : डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ
समन्वयक : डॉ. अनीता स्वामी

करियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल

करियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल और Jobs Entrepreneurship Excellence Talent (J.E.E.T.) द्वारा अनेक गतिविधियों के आयोजन से छात्राओं को अपना करियर विकल्प चुनने में सहायता प्रदान की जाती है। 2017–18 के दौरान सेल द्वारा आयोजित गतिविधियाँ :

- ग्लोबल यूनिवर्सिटी फेयर
- निम्न संस्थाओं द्वारा सूचना सत्र
  - अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली
  - यंग इंडिया फेलोशिप, अशोका यूनिवर्सिटी
  - ग्लोबल रिस्क मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
  - वर्चुअल ट्रेनिंग सेंटर, 'इंटर्नशाला'
- अर्नस्ट एंड यंग द्वारा कौशल विकास सत्र
- इंटर्नशिप और नौकरियों के लिए कैम्पस प्लेसमेंट सत्र

2017 की विश्वविद्यालय परीक्षाओं में स्थान

छात्रा का नाम	विभाग	कक्षा	स्थान
सिमरन कोहली और वारूणि सेठी	मनोविज्ञान	एम.ए.(पूर्वार्द्ध)	I
प्रियंका सुखलानी	कम्प्यूटर साइंस	तृतीय वर्ष	I
मोहिका आहूजा	अर्थशास्त्र	तृतीय वर्ष	I
साचिका जैन	मल्टी मीडिया और जनसंचार	तृतीय वर्ष	I
नेहा सक्सेना	गणित	द्वितीय वर्ष	I
निवेदिता तुली और सौम्या निगम	मल्टी मीडिया और जनसंचार	द्वितीय वर्ष	I
सुआशा गिरधर	मल्टी मीडिया और जनसंचार	प्रथम वर्ष	I
कोमल	संगीत	प्रथम वर्ष	I
सिरजन कौर	मनोविज्ञान	प्रथम वर्ष	I
अपूर्वा शेखर	अंग्रेज़ी	एम.ए.(पूर्वार्द्ध)	II
शिखा	मल्टी मीडिया और जनसंचार	तृतीय वर्ष	II
साक्षी	संस्कृत	तृतीय वर्ष	II
अंशु कुमारी	गणित	द्वितीय वर्ष	II
शक्ति सेठी	मल्टी मीडिया और जनसंचार	द्वितीय वर्ष	II
दिव्यांशी अग्रवाल	कम्प्यूटर साइंस	प्रथम वर्ष	II
दीक्षा गोयल	मल्टी मीडिया और जनसंचार	प्रथम वर्ष	II
वसुंधरा रतूड़ी	संगीत	प्रथम वर्ष	II
अंशु	राजनीति शास्त्र	प्रथम वर्ष	II
रिचा	संस्कृत	प्रथम वर्ष	II
अंकिता मिश्रा	मनोविज्ञान	एम.ए.(उत्तरार्द्ध)	III
मेहरीन फातिमा और सृष्टि कुमार	मनोविज्ञान	एम.ए.(पूर्वार्द्ध)	III
श्रेया कोहली	मल्टी मीडिया और जनसंचार	तृतीय वर्ष	III
छवि दुआ	कम्प्यूटर साइंस	द्वितीय वर्ष	III
नंदिनी सूरी	मल्टी मीडिया और जनसंचार	द्वितीय वर्ष	III
भारती दुआ और सिमरन कौर	कम्प्यूटर साइंस	प्रथम वर्ष	III
अर्पिता राठौड़	हिंदी	प्रथम वर्ष	III
गोपिका जी	मल्टी मीडिया और जनसंचार	प्रथम वर्ष	III
हर्षा बैद	मनोविज्ञान	प्रथम वर्ष	III

उपलब्धि प्राप्त करने वाली छात्राएँ

रिया यादव
खरदुंग–ला जाने वाली
सबसे पहली महिला आरोही

श्रेया सक्सेना
एशियन एअरगन चैम्पियन शूटर

अनामिका
प्रतिभागी, हार्वर्ड क्रासरोड
समर प्रोग्राम, दुबई

वसुंधरा रतूड़ी
गायिका और विजेता

काजल चौधरी
रा.से.यो. स्वयंसेविका, अंतरराष्ट्रीय
युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम, चीन

महिमा भटनागर और
निशिता मल्होत्रा
दृष्टि बाधित छात्राओं के लिए ऑडियो
रिपॉज़िटरी मोबाइल ऐप बनाने वाली छात्राएँ

सुविधाएँ

विद्यार्थी सेवाएँ

- विद्यार्थी विविधता एकीकरण कार्यक्रम
- अंग्रेज़ी भाषा और संप्रेषण कौशल पाठ्यक्रम
- सूचना प्रौद्योगिकी कौशल पाठ्यक्रम
- वित्तीय सहायता और छात्रवृत्ति
- स्वतंत्र शोध के लिए अवसर
- पूर्व स्नातक शोध अनुदान
- कौशल विकास पाठ्यक्रम
- एड ऑन प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम
- मेंटरशिप
- विद्यार्थी काउंसलर
- करियर गाइडेंस एंड प्लेसमेंट सेल
- इंटरनेशनल स्टूडेंट्स डेस्क
- नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी
- जेंडर सेंसिटाइज़ेशन कमेटी
- विमेंस डेवलपमेंट सेल
- विद्यार्थी संकाय समितियाँ
- प्रवेश काउंसलिंग सेवाएँ
- इंटरनेशनल अवॉर्ड फॉर यंग पीपल
- खेल गतिविधियाँ
- छात्रसंघ
- स्वास्थ्य शिविर
- सैनेटरी पैड वैंडिंग मशीन
- बुक बैंक

महाविद्यालय सहायता सेवाएँ

- महाविद्यालय परिसर में सी. सी.टी.वी. से निगरानी
- Wi-Fi समर्थित परिसर
- बाधामुक्त अभिगम
- "एक ही छत के नीचे" इनेबलिंग यूनिट
- समान अवसर प्रकोष्ठ
- विज़िटिंग नर्स की सेवाओं से युक्त चिकित्सा कक्ष
- आपातकालीन चिकित्सीय सहायता
- विविध सेवाओं से युक्त खेल परिसर
- तरणताल
- फिटनेस सेंटर
- वॉकिंग ट्रेक
- क्लाइम्बिंग वॉल
- छात्र गतिविधि क्षेत्र
- संगीत अभ्यास कक्ष
- शिकायत निवारण समिति
- आंतरिक शिकायतें समिति
- कैफेटेरिया
- बैंक और ए.टी.एम.
- फोटो कॉपी की सुविधा और लेखन सामग्री स्टोर
- साइबर कैफे
- छात्राओं / स्टाफ की गतिविधियों के लिए 26 सीटों वाली बस
- पूरा पावर बैकअप

शैक्षणिक अवसंरचना

- नया शैक्षणिक ब्लॉक
- ICT सेंटर
- पुस्तकालय और पठन कक्ष
- शोध कक्ष
- कक्षाओं में LCD प्रोजेक्शन की सुविधा
- सुपरिष्कृत कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ
- संगोष्ठी कक्ष
- सम्मेलन कक्ष
- AV लेक्चर थियेटर
- ऑडिटोरियम
- प्रदर्शनी प्रकोष्ठ
- IQAC कक्ष
- दृश्य–श्रव्य निर्माण केन्द्र / स्टूडियो
- सम्पादन खंड
- रेडियो प्रोडक्शन यूनिट
- विश्वव्यापी लिंक सहित सामुदायिक रेडियो
- नेशनल नॉलेज नेटवर्क एंड कनेक्टिविटी
- विद्यार्थी सूचना प्रणाली
- संग्रहालय और अभिलेखागार शिक्षा संसाधन केन्द्र
- अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केन्द्र
- अंत:विषय अध्ययन केन्द्र
- पृथ्वी अध्ययन केन्द्र
- संस्कृत अध्ययन और शोध केन्द्र
- संगीत अभिलेखागार और श्रवण कक्ष (बैठक)
- दो छात्रावास
- आगंतुक विद्वानों के लिए आवास
- कार्टोग्राफिक प्रयोगशाला

सुविधाएँ

नया शैक्षणिक ब्लॉक

कलावती गुप्ता छात्रावास

कैफेटेरिया

शैक्षणिक अवसंरचना

ऑडिटोरियम

सम्मेलन कक्ष

संगोष्ठी कक्ष

शिक्षा संसाधन

पुस्तकालय

- तीन तलों पर अवस्थित
- पूर्णतः डिजिटाइज़्ड
- Wi-Fi समर्थित
- UGC-NLIST, DELNET, DULS के माध्यम से ई–रिसोर्सेज़ और ई–जर्नल की उपलब्धता
- OPAC (Online Public Access Catalogue) से युक्त कम्प्यूटर
- बुक बैंक की सुविधा
- दृष्टिबाधितों के लिए क्यूबिकल्स
- संकाय के लिए पठन और शोध हेतु क्यूबिकल्स
- फोटोकॉपिंग की सुविधा
- लिफ्ट
- पूर्णतः वातानुकूलित

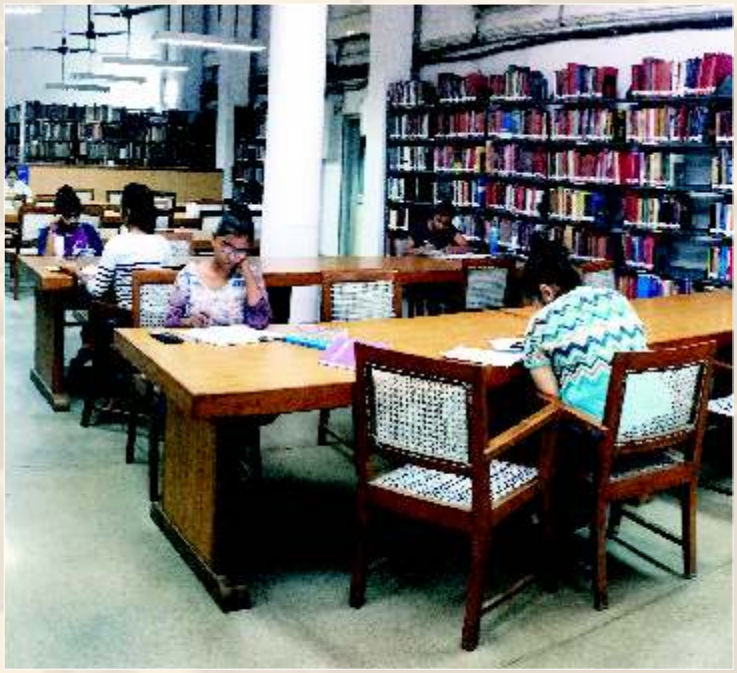

ICT हॉल

- Wi-Fi समर्थित
- कम्प्यूटर सिस्टम्स
- पूर्णतः वातानुकूलित

सर्वोत्तम कार्य

महाविद्यालय द्वारा अपने कार्यकरण के विभिन्न क्षेत्रों में सर्वोत्तम कार्यों पर आधारित कार्य संस्कृति का विकास किया गया है जो निम्नवत् है :

विविधता का समावेश और एकीकरण

- आवश्यकता पर आधारित प्रवेश पॉलिसी
- दिव्यांगों के लिए शुल्क में छूट
- दिव्यांगों के लिए "एक ही छत के नीचे" इनेबलिंग यूनिट और बाधामुक्त अभिगम
- दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए कम्प्यूटर साक्षरता और गतिशीलता प्रशिक्षण कक्षाएँ
- दृष्टिबाधित छात्राओं को शीतकालीन सत्र के दौरान आयोजित परीक्षा के बाद घर तक पहुँचाने के लिए परिवहन की व्यवस्था
- आधारभूत अंग्रेज़ी भाषा और संप्रेषण कौशल कार्यक्रम
- आधारभूत सूचना प्रौद्योगिकी कौशल कक्षाएँ
- छात्राओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए द्विभाषिक शिक्षण
- उत्तर–पूर्व, संघर्षरत क्षेत्रों और सुदूर क्षेत्रों की छात्राओं के लिए छात्रावासों में निर्धारित सीटें
- एक दशक से सक्रिय नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी
- जेंडर सेंसिटाइज़ेशन कमेटी
- इंटरनेशनल स्टूडेंट्स डेस्क
- उन्नत शिक्षार्थियों के लिए शोध अवसरों पर कार्यशाला

छात्राओं के लिए प्रोत्साहन

- नवोन्मेषी और मूल विचारों के लिए पूर्वस्नातक स्तर पर शोध अनुदान
- अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में लेख प्रस्तुत करने के लिए चुनी गई छात्राओं को वित्तीय सहायता
- लेखन कौशल पर कार्यक्रम
- शोध और पद्धति पर कार्यक्रम
- CODE-छात्राओं की अनुवाद पत्रिका
- "पाठ्यक्रम के बाहर वैयक्तिक पहल और महत्त्वपूर्ण उपलब्धि" के लिए प्राचार्या की सम्मान–सूची
- कॉलेज एक्सीलेंस अवॉर्ड्स, पुरस्कार और छात्रवृत्तियाँ
- वार्षिक खेल उत्सव
- महाविद्यालय के वार्षिक नाटक का सार्वजनिक प्रदर्शन

संस्थागत सामाजिक दायित्व

- अनुबंध पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए आपातकालीन चिकित्सा निधि
- आसपास के स्कूलों में जेंडर सेंसिटाइज़ेशन आउटरीच गतिविधियाँ
- प्रवेश से पूर्व छात्राओं की शैक्षणिक काउंसलिंग
- खेल अवसंरचना और सुविधाओं का समुदाय द्वारा उपयोग
- सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर
- प्रवासी मज़दूरों के बच्चों को शिक्षण
- छात्राओं में सामाजिक दायित्व जागृत करने के लिए आउटरीच कार्यक्रम
- गूँज, उम्मीद, टीच फॉर इंडिया जैसे ग़ैरसरकारी संगठनों के साथ सहयोग

संकाय विकास कार्यक्रम

- मनोविज्ञान विभाग : 'टीचिंग एंड रिसर्च इनोवेशन इन साइकोलॉजी', 2017
- हिंदी विभाग : 'साहित्य शिक्षण प्रविधियाँ, 2017
- गणित और कम्प्यूटर साइंस विभाग : *'La Tex* पर प्रशिक्षण–सह–कार्यशाला', 2016

सर्वोत्तम कार्य

पर्यावरण जागरुकता और संरक्षण उपाय

- महाविद्यालय के कर्मचारियों और छात्राओं के सतत प्रयासों से महाविद्यालय के हरे–भरे परिसर का नियमित रखरखाव किया जाता है
- बेकार सामग्री का प्रबंधन–लीफ कम्पोस्टर, वर्मी कम्पोस्ट और आगा
- जल प्रबंधन–हैरिटेज वैल, बेकार जल की रीसाइक्लिंग
- ऊर्जा संरक्षण–सोलर पैनल्स, सोलर स्ट्रीट लाइट्स
- काग़ज़ और ई–वेस्ट रीसाइक्लिंग
- ग्रीन ऑडिट और वृक्षों की गणना
- शांति पाथ
- महाविद्यालय परिसर में जीव–जंतुओं और पेड़–पौधों की मैपिंग
- ग्रीन लैब और सूखी वनस्पतियों का संग्रह
- गतिविधियों के माध्यम से संवेदीकरण और जागरूकता तथा वृक्षों की गणना पर कार्यशाला, ग्रीन ऑडिट, बर्ड वॉक्स तथा अभियानों का भी आयोजन किया गया
- महाविद्यालय परिसर के पक्षियों की गणना
- बचाए गए पक्षियों को महाविद्यालय परिसर में छोड़ा गया
- वनस्पति और जीव–जंतुओं का संरक्षण और संवर्द्धन

विरासत जागरुकता

- महाविद्यालय के इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए समर्पित समय
- इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय पर पुस्तकें, परियोजनाएँ और शोध
- महाविद्यालय के शताब्दी वर्ष 2023–24 के लिए 100 वर्ष के कार्यक्रम का काउंटडाउन
- ख़ज़ाना–ए–विरासत

प्रबंधन और नियंत्रण

- आंतरिक गुणवत्ता के मूल्यांकन हेतु वार्षिक शैक्षणिक समीक्षा
- महाविद्यालय दिवस और प्राचार्या की रिपोर्ट की प्रस्तुति
- हिंदी और अंग्रेज़ी में वेबसाइट
- सभी सूचनाएँ और परिपत्र हिंदी और अंग्रेज़ी में जारी किए जाते हैं
- वार्षिक सार्वजनिक व्याख्यान
- समितियों के माध्यम से विकेंद्रीकृत और भागीदारी पर आधारित कार्यकरण
- पारदर्शिता और लिखित प्रमाणों सहित ज़िम्मेदारी
- अधिनियम के अनुसार मासिक आर.टी.आई. विवरणी दाख़िल करना
- निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार AISHE आंकड़े अपलोड करना
- वित्तीय प्रक्रियाओं की नियमित आंतरिक समीक्षा
- गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को देय सभी लाभों और पदोन्नतियों का प्रत्येक छमाही में मूल्यांकन और कार्यान्वयन
- सभी कर्मचारियों को सक्षम बनाने / उनके कौशल विकास और उच्च शिक्षा / योग्यता को बढ़ाने हेतु आंतरिक कार्यक्रमों सहित प्रशिक्षण
- ई–गवर्नेंस के लिए अपने सर्वर सहित वेबसाइट, ERP और वि.सू.प्र.
- गैर शैक्षणिक कर्मचारी समान स्टेक होल्डर के रूप में
- गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को असाधारण काम के लिए अनुशंसा प्रमाण–पत्र
- प्राचार्या की रिपोर्ट में गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की उपलब्धियों को शामिल किया जाता है
- महाविद्यालय के कर्मचारियों के लिए शिफ्ट और क्रेडिट सोसाइटी
- भविष्य निधि समिति की मासिक बैठकें
- प्राचार्या द्वारा कार्य दिवस की समाप्ति पर प्रशासनिक अधिकारी को आवश्यक निदेश देना और स्थिति का जायज़ा लेना
- शासी निकाय की नियमित बैठकें
- आंतरिक शिकायतें समिति और ग़ैर शैक्षणिक शिकायतें कॉर्नर के माध्यम से अधिसूचित शिकायत निवारण तंत्र
- पब्लिक डोमेन में सूचना का प्रदर्शन और प्रचार–प्रसार

छात्र गतिविधियाँ

इंडिया स्वीडिन क्विज़
क्विज़ क्लब

बी.ए. (प्रोग्राम) की पत्रिका दास्तान का लॉन्च

प्रोजेक्ट सशक्त
इनेक्टस

रा.से.यो. आउटरीच कार्यक्रम

दिव्यांग छात्राओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण

सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

Gay-lentine's Day, WDC

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

किलकारी में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाएँ

गांधी स्टडी सर्किल

प्रोजेक्ट ऐपण

- वार्षिक सार्वजनिक व्याख्यान
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
- विमेंस डेवलपमेंट सेल (WDC)
- राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)
- राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)
- ईको क्लब
- समुदाय से संबंधित विस्तार गतिविधियाँ
- इनेक्टस
- शिक्षा का सवाल
- लोकतंत्रशाला
- जेंडर सेंसिटाइज़ेशन कमेटी
- डिस्कशन फोरम
- गांधी स्टडी सर्किल
- नॉर्थ ईस्ट सोसाइटी
- अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस उत्सव
- करियर गाइडेंस और प्लेसमेंट काउंसलिंग

विभागीय शैक्षणिक सोसाइटियाँ

महाविद्यालय की शैक्षणिक सोसाइटियों द्वारा वार्ताओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है। इन सोसाइटियों द्वारा छात्राओं को प्रत्येक सेमेस्टर में प्रतियोगी और गैर प्रतियोगी स्तर पर प्रस्तुतियों के लिए मंच भी प्रदान किया जाता है।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

वेस्टर्न डांस सोसाइटी
'अफ़रोज़ा'

इंडियन डांस सोसाइटी
'मृदंग'

वेस्टर्न म्यूज़िक सोसाइटी

श्रुति

फाइन आर्ट्स सोसाइटी
'Croydon'

पाठ्येतर गतिविधियाँ

इंडियन म्यूज़िक सोसाइटी
'आलाप'

फिल्म एंड फोटोग्राफी सोसाइटी
'SIMULACRA'

ड्रामेटिक्स सोसाइटी
'अभिव्यक्ति'

तरणताल

1954 में छात्राओं द्वारा तरणताल की माँग की गई...

1955

तरणताल की खुदाई करने की पहल

Students performing *Shramdan* at the digging of the Swimming Pool, 1955

1956

तरणताल का उद्घाटन

2015

60 वर्षों का समारोह

खेल सुविधाएँ

क्लाइम्बिंग वॉल का उद्घाटन

बास्केटबॉल कोर्ट

क्लाइम्बिंग वॉल

शूटिंग रेंज

फिटनेस सेंटर

स्क्वॉश कोर्ट

लॉन टेनिस

इंडोर बैडमिंटन कोर्ट

रा.कै.को., रा.से.यो., खेल

दिव्यांग अभिगम

- "एक ही छत के नीचे'' इनेबलिंग यूनिट
- 100% बाधामुक्त परिसर
- शुल्क में छूट
- अनुकूलित छात्रावास सुविधाएँ ; छात्रावास में निर्धारित सुरक्षित स्थान
- रैंप और स्पर्शणीय पथ
- पुस्तकालय में लिफ्ट
- विशेष प्रसाधन कक्ष

स्पर्शणीय पथ

- महाविद्यालय के बाहर जाने के लिए एस्कार्टिड परिवहन सुविधा और शीतकालीन सेमेस्टर की परीक्षाओं के दौरान दृष्टिबाधित छात्राओं को गंतव्य तक पहुँचाने की परिवहन सुविधा
- गतिशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम
- पाठ्येतर गतिविधियों में प्रतिभा दिखलाने के लिए अंतर्महाविद्यालय उत्सव 'सामर्थ्य' का आयोजन
- उच्च उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाली छात्राओं को विशेष पुरस्कार और छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने के लिए निधि
- विशेष प्रशिक्षण से संबंधित सामग्री निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाती है
- हाई रेज़ोलूशन स्कैनर और ब्रेल प्रिंटर
- DAISY Angel Players
- निःशुल्क सीडी प्लेयर्स और सॉफ्टवेयर युक्त लैपटॉप जैसी तकनीकी सहायता

ब्रेल प्रिंटर

- दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए महाविद्यालय पत्रिका का डीवीडी संस्करण
- प्रवेश के दौरान सहायता और परामर्श देने के लिए प्रकोष्ठ
- नवागंतुक छात्राओं के लिए महाविद्यालय और पुस्तकालय में अभिगम के संबंध में ओरिएंटेशन कार्यक्रम
- विशेष आवश्यकताओं पर केंद्रित वार्ताओं और संगोष्ठियों का आयोजन
- विशेष काउंसलिंग सेवाएँ
- दिव्यांग छात्राओं के लिए अंतर्महाविद्यालय खेल प्रतियोगिताएँ
- शैक्षणिक भ्रमणों का आयोजन
- ब्रेल लिपि में कैंटीन का मेन्यू

दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए कार्यशालाएँ

- एंड्रायड ऐप
- आत्मरक्षा प्रशिक्षण
- 'Assistive Technology' and 'Reading without Seeing'

दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए प्रशिक्षण

- प्रिंट असिस्ट डिवाइस का प्रयोग (Lex-Air-Camera) Device
- रोज़गार के अवसर पैदा करने के लिए कम्प्यूटर संचालित सॉफ्टवेयर
- 'ऑडियो रिपॉज़िटरी' के लैक्चर हॉल एप का विकास और प्रयोग

प्रज्ञा का विकास : कुछ क्षण

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- अनुवाद पर अंतरराष्ट्रीय सिम्पोज़ियम 'द कल्चरल चैलेंज', 2018
- ट्रैवल एंड ट्रावेल्स ऑफ ट्रांसलेशन–अंतरराष्ट्रीय सिम्पोज़ियम, 2017
- द फ्रेगमेंट्ड सेल्फ : एन इंटरडिस्पिलनेरी एक्सप्लोरेशन इनटू द नोशंस ऑफ सैल्फ एंड आइडेंटिटी इन कंटेम्परेरी लाइफ' पर मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 2017
- 'प्लूरिलिंग्युलिज़्म एंड ओरेलिटी इन ट्रांसलेशन', 2015

साहित्योत्सव

- वाणी फाउंडेशन के सहयोग से हिंदी महोत्सव 2017

राष्ट्रीय सम्मेलन

- 'विमेन, स्टेट एंड पावर : रिफ्लेक्शंस ऑन डेमोक्रेसी', राजनीति शास्त्र विभाग, 2016
- 'कांशसनेस', दर्शन शास्त्र विभाग, 2016
- 'ऑनलाइन रिटेल इन इंडिया : इमर्जिंग ट्रेंडज़ एंड फ्यूचर चैलेंजेज़', वाणिज्य विभाग, 2015
- 'फ्रंटियर्स ऑफ कम्प्यूटेशनल रिसर्च', कम्प्यूटर साइंस विभाग, 2015

गांधी पर गोलमेज़ सम्मेलन

- 'गांधी मैटर्स', 2018
- 'गांधी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी', 2017
- 'गांधी एंड फूड', 2016
- 'द डेथ ऑफ गांधी', 2015
- 'लोकेटिंग द ड्रामेटिक इन द लाइफ ऑफ गांधी', 2014

डिस्कशन फोरम

- डॉ. कार्तिक बिट्टू और कबीर द्वारा 'जेंडर – बेंडर और ट्रांसजेंडर', 2018
- 'जल, थल, मल और कल', सोपान जोशी, 2017
- 'ट्रंप : आगे क्या? भारत–अमेरिका संबंध', नग़मा सहर, 2017
- 'राइट्स ऑफ विमेन इन इस्लाम', डॉ. सैयदा हमीद, 2016
- 'कंस्ट्रक्टेड आइडेंटिटी, कंटेस्टेड कैटेगरी : केस ऑफ दलितस एंड महादलितस इन उत्तर प्रदेश', प्रोफेसर बद्री नारायण, 2016

लोकतंत्रशाला के साथ आउटरीच कार्यक्रम

- ''द आर.टी.आई. स्टोरी : पावर टू द पीपल'' पुस्तक का विमोचन और पूर्व छात्रा, अरुणा रॉय के साथ पैनल चर्चा, 2018
- गांधी व्याख्यान माला I : 'महात्मा गांधी एंड हिज़ फिलोसॉफी ऑफ नॉन वायलेंस', आर.वी. राजागोपाल, 2017
- गांधी व्याख्यान माला II : 'गांधी इन कंटेम्परेरी वर्ल्ड, पूर्व छात्रा रजनी बक्षी, 2017
- 'चरखा एंड इट्स रैलेवेंस टुडे' पर श्री संजोय सिंघा, सुश्री इंदु और सुश्री सीता बिमब्रॉह का व्याख्यान–प्रदर्शन, 2017
- पश्चिमी राजस्थान के मांगनियार ग्रुप का सूफी लोक संगीत पर व्याख्यान–प्रदर्शन, 2017
- सार्वजनिक व्याख्यान : 'आधार एंड द राइट टू प्राइवेसी', डॉ. उषा रामानाथन, 2017

सामुदायिक विस्तार गतिविधियाँ

- तिहाड़ जेल में अभियोगाधीन कैदियों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता
- ख़ेबर पास के दैनिक मज़दूरों की शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जागरूकता और मनोरंजन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना
- ऐपण के उत्पादों के लिए दिल्ली हाट, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, दिल्ली कैंट में स्टॉल लगाई गईं

वार्ताएँ

- सिनेमैटिक नरेटिव इन द फिल्म्स ''फैंड्री एंड सैराट'', डॉ. रवि वासुदेवन, 2018
- ''हाउ टू बी एन एवरेज असमीज़ सिटीज़न, शालिम एम. हुसैन, 2018
- ''इंडिया इन स्लोवाकिया'', योज़ेफ बनास, 2018
- ऑर्गन डोनेशन, मैरी सिन्हा, 2018
- 'ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्ज़ : एक्सेस एंड डिजिटल टैक्नोलॉजी फॉर PwD', जॉर्ज अब्राहम, 2017
- 'कैन द सत्याग्रही बी ए सिटीज़न? इमैजनिंग गांधी अंबेडकर डायलॉग', प्रोफेसर उज्ज्वल कुमार सिंह, 2017
- 'प्लांट्स एज़ ग्रीन एंजिन्स ऑफ चेंज', डॉ. एस. नटेश, 2017
- एशली जड के साथ वार्तालाप, ''वट्स ऑन माई माइंड एंड टैल मी वट्स ऑन योर्स?'', 2017
- 'म्यूज़िक, जेंडर एंड रीजनल आइडेंटिटी', डॉ. प्राची देवरी, 2017

वार्षिक सार्वजनिक व्याख्यान

- 'शिक्षा में समानता', श्री मनीष सिसोदिया, 2017
- 'इंडियन यूनिवर्सिटीज़—चैलेंजेज़ टुडे', प्रोफेसर योगेंद्र यादव, 2016
- 'मेकिंग इंडिया वर्क', विलियम बिजेल, एम.डी., फेब इंडिया, 2015

पैनल चर्चा

- ''लैट्स टॉक : डिप्रेशन'', चिल्ड्रन फर्स्ट, 2018
- ''चुप : ब्रेकिंग द साइलेंस अबाउट इंडियाज़ विमेन'' की लेखिका डॉ. दीपा नारायण के साथ परस्पर संवाद, 2018
- 'डीकंस्ट्रक्टिंग वुमनहुड एंड आइडेंटिटी', डॉ. माया जॉन, रचना जौहरी और सुश्री साबिका अब्बास नक़वी, 2017
- 'द कल्चर ऑफ साइलेंस : वायलेंस अगेंस्ट विमेन', डॉ. माया जॉन, सुश्री नस्तासिया पॉल—गेरा और डॉ. रुक्मिणी सेन, 2017
- 'रेस, लैंग्वेज, कल्चर : लोकेटिंग नॉर्थईस्ट इन इंडिया', कंट्रोल आर्म्स फाउंडेशन के सहयोग से, 2017

कार्यशालाएँ

- करियर ऑप्शंस एंड असिस्टिव टैक्नोलॉजी, 2018
- सड़क सुरक्षा, 2018
- बिहेवियर मैनेजमेंट एंड इनक्वायरी बेस्ड पैडागॉजी, 2018
- बर्ड्स : वॉचिंग एंड बियॉन्ड, 2018
- वॉल क्लाइम्बिंग, 2018
- डिजिटल इंडिया VISAKA, 2017
- बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, 2017
- इंडोर एअर क्वालिटी एंड ह्यूमन हेल्थ, 2017
- फर्स्ट एड, सेंट जॉन्स एम्बुलेंस, 2017
- यूज़ ऑफ फ्री एंड ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर, आई.आई.टी. मुंबई, 2017

शताब्दी दशक *2014-2024* की गतिविधियाँ और पहल

- वर्ष 2017 में स्वतंत्रता के 70 साल और भारत छोड़ो आंदोलन के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में महाविद्यालय द्वारा पूरे वर्ष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- गांधी जयंती, 2017 के अवसर पर गांधी पर वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों की घोषणा की गई और महाविद्यालय में चरखा सोसाइटी को पुनजीर्वित किया गया
- प्राचार्या और महाविद्यालय को 8 मार्च, 2018 को वर्ल्ड वीमेन समिट में Womens Agency for Generating Employment (WAGE) द्वारा "Girl Centric Tertiary Education and Training" के लिए पुरस्कृत किया गया
- इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय को प्रतिष्ठित ''वर्ल्ड ईकोलॉजी, एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट'' अवॉर्ड 2017 प्राप्त हुआ
- नया शैक्षणिक ब्लॉक
- पुस्तकालय के प्रॉपटी काउंटर का विस्तार
- इन्द्रप्रस्थ छात्रावास में सीटों की संख्या बढ़ाई गई, लिफ्ट का संस्थापन, दो तलों का वातानुकूलन
- कलावती गुप्ता छात्रावास का नवीकरण और सीटों की संख्या बढ़ाई गई
- जर्नल ऑफ इनोवेशन फॉर इंक्लूसिव डेवलपमेंट (गुणवत्ता समीक्षित)
- संस्कृत अध्ययन और शोध केन्द्र
- संगीत अभिलेखागार और श्रवण कक्ष (बैठक)
- हिंदी वेबसाइट लॉन्च की गई
- राजनीति शास्त्र विभाग का स्वर्ण जयंती समारोह
- वाणी फाउंडेशन के सहयोग से हिंदी महोत्सव 2017 मनाया गया
- पृथ्वी अध्ययन केन्द्र
- अंत:विषय अध्ययन केन्द्र
- IP-DUCR वर्ल्ड लिंक का लॉन्च
- महाविद्यालय से सामुदायिक रेडियो का लॉन्च
- IP Vaani (ऑनलाइन रेडियो वेबकास्ट) का लॉन्च
- 11 जुलाई 2015 को दिल्ली हाट, आई.एन.ए. में इनेक्टस आई.पी. कॉलेज का प्रोजेक्ट ऐपण
- 2015 में विकलांगता अभिगम के लिए NCPEDP-Mphasis Universal Design Award
- महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस लौटने के सौ वर्ष पूरे होने पर स्मारक व्याख्यान माला
- ''पर्ल अमंग ज्वैल्स'', रामपुर रज़ा लाइब्रेरी की सचित्र और दुर्लभ पांडुलिपियों पर प्रदर्शनी
- ''दिल्ली दिनचर्या'' दिल्ली की महिलाओं के दैनिक जीवन की गतिविधियों पर प्रदर्शनी
- शताब्दी दशक पूर्वस्नातक शोध अनुदान
- उत्तर पूर्व में ज्ञान को साझा करने, इंटर्नशिप और स्वयंसेवक गतिविधियों के लिए बालीपारा फाउंडेशन, असम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए
- गोलमेज़ सम्मेलन को विश्वविद्यालय स्तर पर ले जाने के लिए गांधी स्मृति दर्शन के साथ सहयोग
- चरखा को पुनजीर्वित किया गया
- अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केन्द्र
- संग्रहालय और अभिलेखागार शिक्षा केन्द्र
- अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन उत्सव–2015
- CODE-छात्र अनुवाद पत्रिका
- गांधी पर गोलमेज़ सम्मेलन
- समाज शास्त्र विभाग
- भूगोल विभाग
- संगीत अभिलेखागार और श्रवण कक्ष तथा अनुवाद और अनुवाद अध्ययन केन्द्र द्वारा क्रमशः 'एन इंट्रोडक्शन टू हिंदुस्तानी म्यूज़िक' और 'संपादन और प्रकाशन' पर दो एड ऑन पाठ्यक्रम चलाए गए
- **शताब्दी दशक प्रदर्शनियाँ**
  - प्रकृति बाज़ार, 2017
  - फेस्टिवल मेला, 2016
  - 'दिल्ली दिनचर्या : पोट्रेइंग लाइव्ज़ ऑफ विमेन', 2015
  - 'फोटोग्राफिक मार्च', गांधी स्टडी सर्किल, 2015
  - 'पर्ल्स अमंग ज्वैल्स : इल्स्ट्रेटेड मैन्युस्क्रिप्ट्स फ्रॉम द रज़ा लाइब्रेरी, 2014
- **प्रस्तुतियाँ**
  - 'Femme in Public' – आलोक वैद मैनन द्वारा काव्य पाठ, स्टैंड अप कॉमेडी और नारी तथा ट्रांसजेंडर विषयों पर प्रस्तुतियाँ, 2017
  - संजय मट्टू और डॉ. समन हबीब द्वारा प्रगतिशील लेखकों की रचनाओं का पाठ, 2017
  - संजय मट्टू और डॉ. समन हबीब द्वारा लखनऊ लैटर्स, 2016
  - पूनम गिरधानी और अंकित चड्ढा द्वारा दास्तान एलिस की
  - दास्तानगोई द्वारा दास्तान– ए–चौबुली, 2014
- **पर्यावरण**
  - प्रकाशित रिपोर्ट सहित वृक्षों की गणना
  - महाविद्यालय के वनस्पति और जीव–जंतु जगत की मैपिंग
  - बेकार सामग्री का प्रबंधन
  - ग्रीन लैब और सूखी वनस्पतियों का संग्रह
- **पूर्व छात्राओं की गतिविधियाँ**
  - पुस्तक का विमोचन और पूर्व छात्रा अरुणा रॉय के साथ पैनल चर्चा, 2018
  - महाविद्यालय दिवस 2018 के लिए डॉ. संजुक्ता पारासोर, पुलिस अधीक्षक, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, का पूर्व छात्रा अतिथि के रूप में भ्रमण
  - पूर्व छात्रा, रजनी बक्षी ने 'गांधी इन कंटेम्परेरी वर्ल्ड' पर व्याख्यान दिया, 2017
  - वार्ता, 'विमेन, स्टेट एंड पावर : एक्सीपीरिऐंसिज़ फ्रॉम अफ़गानिस्तान', नाहीद सरबी, 2017
  - वार्ता, 'एस्पीरेशन, पैशन एंड स्ट्रेटेजी', रिनचिन गायकवाड़, 2016
  - सार्वजनिक व्याख्यान, ' अंडरस्टैंडिंग डेमोक्रेसी', डॉ. अरुणा रॉय, लोकतंत्रशाला, 2015

इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की पूर्व छात्राएँ

इन्द्रप्रस्थ कॉलेज एलमना एसोसिएशन द्वारा पूर्व छात्राओं की गतिविधियों का आयोजन और संयोजन किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष फरवरी माह के दूसरे शनिवार को पूर्व छात्राओं के वार्षिक मिलन समारोह का आयोजन किया जाता है। एलमना एसोसिएशन की कार्यकारी समिति वर्ष भर पूर्व और वर्तमान छात्राओं के परस्पर संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए प्रयत्नशील रहती है। महाविद्यालय के पास पूर्व छात्राओं का डेटा बेस रखने के लिए पूर्व छात्रा पोर्टल भी है। सभी विभागीय पोर्टलों पर पूर्व छात्रा पंजीकरण फॉर्म उपलब्ध हैं। स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद छात्राओं को इसमें पंजीकरण करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सुचेता कृपलानी
स्वतंत्रता सेनानी
पहली महिला मुख्य मंत्री

प्रोफेसर वीना दास
शिक्षाविद्

शरण रानी बाकलीवाल
सरोद वादिका
पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्मानित

कुरैतुलेन हैदर
लेखिका

मीरा कुमार
राजनीतिज्ञ

अंबिका सोनी
राजनीतिज्ञ

प्रोफेसर अजीत इकबाल सिंह
शिक्षाविद्

अरुणा रॉय
आर.टी.आई. कार्यकर्ता

प्रोफेसर उत्सा पटनायक
शिक्षाविद्

प्रतिमा पुरी
प्रथम समाचार वाचक, दूरदर्शन

सलमा सुलतान
मीडिया

कोमल जी.बी. सिंह
मीडिया

इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की पूर्व छात्राएँ

प्रोफेसर अरुणा ब्रूटा
शिक्षाविद्

प्रोफेसर गौरी विश्वनाथन
शिक्षाविद्

मधु भादुड़ी
भा.वि.से. अधिकारी

विजय लक्ष्मी छाबड़ा
मीडिया

सरला माहेश्वरी
मीडिया

जसपिंदर नरूला
पार्श्वगायिका

कविता चौधरी
अभिनेत्री, स्क्रिप्ट राइटर और निर्देशक

नीलिता वचानी
फिल्ममेकर

प्रोफेसर अनीता घई
दिव्यांगों के लिए कार्यकर्ता

दीपा साही
अभिनेत्री

आकृति त्यागी
निर्माता और निर्देशक, एन.डी.टी.वी.

नेहा मैटियानी
सिनेमाटोग्राफर

कविता कौशिक
अभिनेत्री

शिवानी गुप्ता
एंकर रिपब्लिक

देवीना गुप्ता
वरिष्ठ संवाददाता, आज तक

प्रवेश

प्रवेश प्रकोष्ठ

संयोजक	सुश्री नलिनी पांडा, कॉमर्स विभाग
सह–संयोजक	सुश्री श्वेता शारदा, कॉमर्स विभाग

प्रवेश समिति

कॉमर्स	डॉ. विनीता कौल दार
कम्प्यूटर साइंस	डॉ. मनीषा बंसल
अर्थशास्त्र	सुश्री बैसाखी मोंडल
अंग्रेज़ी	डॉ. जयश्री बोरा
भूगोल	डॉ. मीना भार्गव
हिंदी	डॉ. उमा गुप्ता
इतिहास	डॉ. प्रगति मोहापात्रा
गणित	सुश्री सरिता आनंद
दर्शन शास्त्र	डॉ. सुप्रिया साहा
शारीरिक शिक्षा और खेल	डॉ. सीमा वी. सिंह
राजनीति शास्त्र	डॉ. शुभ्रा सेठ
मनोविज्ञान	सुश्री अंशु
संस्कृत	डॉ. माया वर्मा
समाज शास्त्र	डॉ. रश्मि पंत
बी.ए. (प्रोग्राम)	डॉ. शगुफ्ता
बी.ए. (ऑनर्स) मल्टी मीडिया और जनसंचार (स्ववित्तपोषित)	डॉ. रेखा सेठी
PwD	सुश्री डॉली जैन/सुश्री रेखा रानी

प्रवेश संबंधी शिकायत समिति

सुश्री टी. जेया क्रिस्टी	9868978547
डॉ. बी.आर. अलामेलु	9958705807
श्री राजेन्द्र भट्ट	9999109075

प्रवेश संबंधी हैल्प डेस्क

डॉ. ऋतुराज एक्का	9999383259
सुश्री रेखा रानी	9873128699
सुश्री गौरी किरौला	9810220554

छात्रावास प्रवेश

डॉ. श्रुति सहरावत	8447781840

प्रॉस्पेक्ट्स समिति

सुश्री सुनीता मार्वाह
डॉ. रूपाली गोयनका
सुश्री नलिनी पांडा (संयोजक, प्रवेश प्रकोष्ठ)

वेबसाइट इंचार्ज

डॉ. मंजु बाला

प्रवेश संबंधी दिशा-निर्देश*

1. इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में प्रवेश की इच्छुक छात्राओं ने संबंधित वर्ग (अना./अ.पि.व./अ.ज./अ.जजा./दिव्यांग) के लिए पहले से ही सामान्य ऑनलाइन फॉर्म भरा हो।
2. किसी भी पाठ्यक्रम में, किसी भी वर्ग के लिए कोई भी 'अतिरिक्त पात्रता मानदंड' नहीं होगा।
3. महाविद्यालय द्वारा दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा घोषित की गई सूची के अनुसार विविध पाठ्यक्रमों के लिए (अना./अ.पि.व./अ.जा./अ.ज.जा./दिव्यांगों के लिए) अंकों में कटौती सूचित की जाए।
4. विभिन्न पाठ्यक्रमों में कट ऑफ के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय और महाविद्यालय की वेबसाइट को अवश्य देखें।
5. कट ऑफ लिस्ट की घोषणा के बाद, अभ्यर्थियों को प्रवेश सूची में विनिर्दिष्ट निर्धारित समयावधि के भीतर प्रवेश लेना होगा।
6. महाविद्यालय को घोषित की गई कट ऑफ लिस्ट के अंकों के मानदंड को पूरा करने वाले सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश देना होगा। प्रथम आओ प्रथम पाओ की पॉलिसी नहीं अपनाई जाएगी।
   क. किसी कट ऑफ लिस्ट में प्रवेश न ले पाने वाले अभ्यर्थी का एकदम अगली कट ऑफ लिस्ट के आधार पर प्रवेश के लिए, प्रवेश की अंतिम तिथि पर विचार किया जाएगा, यदि सीटें उपलब्ध हों।
   ख. जिन अंतरराष्ट्रीय या अन्य बोर्डों के परीक्षा परिणाम बाद में घोषित किए जाते हैं उनके अभ्यर्थी के नाम पर तभी विचार किया जाएगा जब जिस भी कट ऑफ लिस्ट में उनके परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं उसमें सीट बची हो और अभ्यर्थी ने ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कर ली हो।
7. जो अभ्यर्थी अपेक्षित कट ऑफ के मानदंड को पूरा करते हैं वे UG एडमिशन पोर्टल पर लॉग इन करें और उस महाविद्यालय/पाठ्यक्रम का चयन करें जिसमें वे प्रवेश लेना चाहते हैं और वांछित कट ऑफ मानदंड को पूरा करते हैं।
8. अभ्यर्थी, प्रवेश फार्म का प्रिंट आउट और उसके साथ अपेक्षित दस्तावेज़ लेकर पाठ्यक्रम के लिए कट ऑफ प्रतिशत की गणना और अन्य दस्तावेज़ों के सत्यापन हेतु महाविद्यालय पहुँचे।
9. **किसी अभ्यर्थी द्वारा कई महाविद्यालयों में प्रवेश लिए जाने को रोकने के लिए, महाविद्यालय द्वारा अनुमोदित अभ्यर्थी के प्रमाण–पत्र अपने पास रख लिए जाएँगे। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान प्रमाण–पत्र महाविद्यालय के पास ही रहेंगे।** तथापि, यदि कोई छात्रा अपना प्रवेश वापस लेना चाहती है/प्रवेश रद्द करवाना चाहती है या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान की काउंसलिंग में उपस्थित होना चाहती है तो महाविद्यालय द्वारा उसके दस्तावेज़ तुरंत वापस कर दिए जाएँगे।
10. इसके पश्चात् महाविद्यालय द्वारा UG एडमिशन पोर्टल पर प्रवेश को अनुमोदित किया जाएगा। तत्पश्चात् अभ्यर्थी को ऑनलाइन भुगतान के उपलब्ध विकल्पों में से किसी एक द्वारा शुल्क के ऑनलाइन भुगतान के लिए UG एडमिशन पोर्टल पर लॉग ऑन करना होगा। अनुमोदित अभ्यर्थी को प्रवेश कट–ऑफ सूची (जिसमें प्रवेश लिया गया है) के अंतिम दिन के अगले दिन दोपहर 12 बजे तक प्रवेश शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने की अनुमति दी जाएगी।

*** महाविद्यालय के पास विश्वविद्यालय की अधिसूचनाओं के अनुसार दिशा-निर्देशों में संशोधन करने का अधिकार आरक्षित है।**

11. कृपया नोट कर लें कि निर्धारित समय–सीमा के भीतर UG एडमिशन पोर्टल पर प्रवेश शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने के पश्चात् ही किसी महाविद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया पूरी होगी।
12. एक अभ्यर्थी एक समय में एक महाविद्यालय में एक ही पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकता है। यदि कोई प्रविष्ट छात्रा किसी पाठ्यक्रम/महाविद्यालय से अपना प्रवेश वापस लेना चाहती है/रद्द करवाना चाहती है तो वह अपना प्रवेश ऑनलाइन रद्द करवा सकती है (विश्वविद्यालय की रद्द करण की पॉलिसी के अनुसार रद्द करण शुल्क लगाया जाएगा) और जिस महाविद्यालय में उसने प्रवेश लिया था वहाँ से अपने प्रमाण–पत्र वापस लेगी। इसके बाद वह दूसरे पाठ्यक्रम/महाविद्यालय में प्रवेश के लिए जा सकती है। प्रवेश शुल्क स्वतः समायोजित हो जाएगा और आवेदक को शेष राशि का ही भुगतान करना होगा (यदि जिस नए महाविद्यालय/पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया गया है उसका शुल्क अधिक है) यदि नए महाविद्यालय/पाठ्यक्रम का शुल्क कम है तो प्रवेश प्रक्रिया की समाप्ति के पश्चात् महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार शेष राशि आवेदक के खाते में वापस भेज दी जाएगी
13. गैप ईयर पॉलिसी के संबंध में महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के दिशा–निर्देशों का पालन किया जाएगा। पूर्वस्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के प्रयोजन से गैप ईयर वाले आवेदकों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

टिप्पणी :

1. मूल प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को महाविद्यालय के कार्यालय में उपलब्ध निर्धारित प्रोफार्मा में आवेदन करना होगा।
2. प्रवेश के समय अभ्यर्थी का उपस्थित रहना आवश्यक है।

धूम्रपान मुक्त क्षेत्र से संबंधित घोषणा

दिल्ली विश्वविद्यालय ने दिल्ली पुलिस और वर्ल्ड लंग फाउंडेशन–साउथ एशिया के साथ तंबाकू मुक्त पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए भागीदारी की है। इसी के अनुसरण में हमारे महाविद्यालय में धूम्रपान निषेध है।

धूम्रपान विरोधी नोडल अधिकारी

सुश्री टी.जेया. क्रिस्टी	संयोजक, रा.से.यो.
श्री संजय कुमार	सहायक

शुल्क प्रतिदाय पॉलिसी

प्रवेश वापस लेने/प्रवेश रद्द करण के कारण शुल्क प्रतिदाय से संबंधित नियम

& Acad.-I/2015-16/ Refund of fee/586 दिनांक 08.07.2015) Sr. No.	प्रतिदाय के लिए कारण	प्रतिदाय किए जाने वाले शुल्क की मात्रा
1	जब कोई छात्रा 31 जुलाई तक प्रवेश वापस लेने के लिए आवेदन करती है	रु. 500/– की कटौती के पश्चात् पूरा शुल्क और पूरा परीक्षा शुल्क
2	जब कोई छात्रा 1 अगस्त को या उसके पश्चात् प्रवेश की अंतिम तिथि के पूर्व तीन कार्य दिवसों तक (प्रवेश की अंतिम तिथि सहित) प्रवेश वापस लेने के लिए आवेदन करती है	रु. 1,000/– की कटौती के पश्चात् पूरा शुल्क और पूरा परीक्षा शुल्क
3	जब विश्वविद्यालय/महाविद्यालय द्वारा की गई त्रुटि/चूक/कृत्य से अनजाने में प्रवेश दे दिया जाता है	पूरा शुल्क और पूरा परीक्षा शुल्क
4	जब तथ्यों को छुपाने/मिथ्याकरण, झूठे/नकली प्रमाण–पत्र (त्रों) को प्रस्तुत करने, छात्रा द्वारा ग़लत सूचना देने या छात्रा द्वारा की किसी गई त्रुटि/ग़लती की वजह से प्रवेश रद्द हो जाता है	किसी भी शुल्क का प्रतिदाय नहीं किया जाएगा
5	किसी छात्रा के तीसरे सेमेस्टर में एक महाविद्यालय से दूसरे महाविद्यालय में स्थानांतरण की स्थिति में (यदि विश्वविद्यालय नियमों के अधीन अनुज्ञेय है), स्थानांतरण वर्ष के 31 अगस्त तक	कुल शुल्क के 20% की कटौती के पश्चात् पूरा शुल्क और पूरा परीक्षा शुल्क
6	यदि स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम की कोई छात्रा, प्रवेश की अंतिम तिथि पर या उससे पहले प्रवेश वापस लेने के लिए आवेदन करती है	रु. 1,000/– की कटौती के पश्चात् पूरा शुल्क और पूरा परीक्षा शुल्क
7	यदि कोई छात्रा जिसे किसी पाठ्यक्रम में अस्थायी रूप से प्रवेश दे दिया गया है, अर्हक परीक्षा/पूरक परीक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात्, प्रवेश के लिए अपात्र हो जाती है और उसका प्रवेश रद्द हो जाता है	रु. 1,000/– की कटौती के पश्चात् पूरा शुल्क, बशर्ते वह उसी वित्तीय वर्ष में प्रतिदाय के लिए आवेदन करती है
8	यदि किसी छात्रा की प्रवेश की अंतिम तिथि के एक माह के भीतर मृत्यु हो जाती है	उसके माता–पिता को परीक्षा शुल्क सहित पूरा शुल्क वापस कर दिया जाएगा
9	यदि किसी छात्रा को उसी महाविद्यालय में या विश्वविद्यालय के विभागों में ही पाठ्यक्रम बदलने की अनुमति दे दी जाती है	पहले से संदत्त शुल्क के समायोजन के पश्चात्, छात्रा को नए पाठ्यक्रम के लिए यथा निर्धारित शेष राशि का भुगतान करना होगा। यदि किसी छात्रा ने पूर्व पाठ्यक्रम में, दूसरे पाठ्यक्रम के लिए देय शुल्क से अधिक राशि का भुगतान किया है तो अतिशय राशि लौटा दी जाएगी/आगे के माह (हों) के शुल्क में समायोजित कर दी जाएगी

'सर्वोत्तम चार' (बेस्ट फोर) की गणना करने की प्रक्रिया

I. बी.ए. (ऑनर्स) पाठ्यक्रमों में प्रवेश

क. एक भाषा (कोर / इलेक्टिव / कार्यात्मक (Functional)

ख. जिस विषय में प्रवेश लेना चाहते हैं (यदि कोई अभ्यर्थी जिस ऑनर्स पाठ्यक्रम में वह प्रवेश लेना चाहता है उसमें 'सर्वोत्तम चार' में संबंधित विषय, चाहे उसने उसका अध्ययन किया हो न या हो, को सम्मिलित नहीं करता, तो परिगणित 'सर्वोत्तम चार' प्रतिशत में 2.5 प्रतिशत की कटौती की जाएगी)। भाषाओं में ऑनर्स के लिए नीचे बिंदु 4 से संदर्भ ग्रहण करें।

ग. नीचे दी गई सूची 'क' के अनुसार कोई दो अन्य शैक्षणिक / इलेक्टिव विषय।

टिप्पणी : यदि कोई अभ्यर्थी 'सर्वोत्तम चार' की नीचे दी गई सूची 'क' में उल्लिखित विषयों को सम्मिलित नहीं करता तो 'सर्वोत्तम चार' की गणना हेतु, प्रत्येक विषय के लिए अधिकतम अंकों के 2.5 प्रतिशत की कटौती की जाएगी।

सूची क

नीचे दिए गए विषयों को पूर्वस्नातक प्रवेशों के प्रयोजन हेतु शैक्षणिक / इलेक्टिव विषय माना जाए। विभिन्न बोर्डों द्वारा प्रदत्त अन्य विषयों को नॉन–इलेक्टिव माना जाए।

अरबी	अंग्रेज़ी	इतालवी	मनोविज्ञान
बांग्ला	फ्रेंच	लीगल स्टडीज़	संस्कृत
वनस्पति विज्ञान	भूगोल	गणित	समाज शास्त्र
जीव विज्ञान / जैव प्रौद्योगिकी	भूविज्ञान	फारसी	स्पेनिश
रसायन	जर्मन	दर्शन शास्त्र	सांख्यिकी
वाणिज्य / बिजनेस स्टडीज़	हिंदी	भौतिकी	उर्दू
कम्प्यूटर साइंस / इंफोर्मेटिक्स प्रैक्टिसेज़	इतिहास	राजनीति शास्त्र	प्राणि विज्ञान
अर्थशास्त्र	गृह विज्ञान	पंजाबी	लेखा शास्त्र

सर्वोत्तम चार की गणना का आधार

1. यदि किसी आवेदक ने इलेक्टिव और कोर, दोनों ही भाषाओं का अध्ययन किया है तो कोर / इलेक्टिव भाषा विषय को भाषा माना जाएगा जबकि इलेक्टिव भाषा को शैक्षणिक / इलेक्टिव विषय माना जा सकता है।
2. बी.ए. (ऑनर्स) दर्शन शास्त्र में प्रवेश उपर्युक्त प्रक्रिया के अनुसार एक भाषा और तीन शैक्षणिक / इलेक्टिव विषयों सहित 'सर्वोत्तम चार' के प्रतिशत पर आधारित होगा।
3. बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र में प्रवेश हेतु आवेदकों ने गणित का अध्ययन किया हो और उसकी अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की हुई हो।
4. क. किसी भी भाषा के ऑनर्स पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु, उन आवेदकों को 'सर्वोत्तम चार' में 2 प्रतिशत का लाभ दिया जाएगा जिन्होंने उस विशेष इलेक्टिव भाषा का अध्ययन किया हो।

   ख. यदि किसी आवेदक ने अर्हक परीक्षा स्तर पर किसी भाषा का अध्ययन न किया हुआ हो और वह उस भाषा के ऑनर्स पाठ्यक्रम (अंग्रेज़ी और हिंदी ऑनर्स के अतिरिक्त) में प्रवेश लेना चाहता है, (ग)) का संदर्भ लें, तो 'सर्वोत्तम चार' के प्रतिशत पर 5 प्रतिशत की कटौती की जाएगी।

ग. अंग्रेज़ी और हिंदी ऑनर्स पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदक ने संबंधित भाषा का अध्ययन किया हो और उसकी अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की हुई हो। 'सर्वोत्तम चार' की गणना में संबंधित भाषा को शामिल किया जाए।

5. विश्वविद्यालय द्वारा किसी विशेष ऑनर्स पाठ्यक्रम के लिए किसी शैक्षणिक/इलेक्टिव विषय के रूप में किन्हीं अन्य संबंधित विषयों को परिभाषित किया जा सकता है।

II. बी.कॉम. (ऑनर्स) पाठ्यक्रमों में प्रवेश

सूची ग 1 के भाग 1 में से एक भाषा + सूची ग 1 के भाग 2 में से तीन सर्वोत्तम विषय

या

सूची ग 1 के भाग 1 में से एक भाषा + सूची ग 1 के भाग 2 के विषयों का कोई संयोजन, सूची ग 2 या कोई अन्य विषय (जिन्हें सूची ग 1 या सूची ग 2 में सूचीबद्ध नहीं किया गया है)। ऐसी स्थिति में 'सर्वोत्तम चार' के कुल प्रतिशत में से अंकों की कटौती निम्नवत् होगी :

i. सूची ग 2 में से शामिल किए गए प्रत्येक विषय के लिए 'सर्वोत्तम चार' के कुल प्रतिशत में से एक प्रतिशत की कटौती की जाएगी ;

ii. किसी अन्य विषय (जिसे सूची ग 1 या सूची ग 2 में सूचीबद्ध नहीं किया गया है), 'सर्वोत्तम चार' के कुल प्रतिशत में से प्रत्येक विषय में 2.5 प्रतिशत के हिसाब से कटौती की जाएगी।

टिप्पणी: 1. बी.कॉम. (ऑनर्स) में प्रवेश हेतु आवेदक ने गणित/व्यावसायिक गणित का अध्ययन किया हो और उसकी अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की हुई हो।

2. उपर्युक्त फ्रेमवर्क में 'सर्वोत्तम चार' विषयों की गणना से प्रभावपूर्ण और अनुपम 'सर्वोत्तम चार' प्राप्त होगा जो 'सर्वोत्तम चार' के अन्य किसी संयोजन से अधिक होगा।

सूची ग 1-बी.कॉम. (ऑनर्स) के कोर विषयों की सूची

भाग 1 (भाषा)	भाग 2 (कोर विषय)
अंग्रेज़ी	गणित
हिंदी	लेखा शास्त्र
	बिजनेस स्टडीज़/वाणिज्य अर्थशास्त्र

सूची ग 2-बी.कॉम. (ऑनर्स) के विषयों की अतिरिक्त सूची

वनस्पति शास्त्र	भूगोल	दर्शन शास्त्र	सांख्यिकी
व्यावसायिक गणित	भूविज्ञान	भौतिकी	प्राणि विज्ञान
जीव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी	इतिहास	राजनीति शास्त्र	
रसायन	गृह विज्ञान	मनोविज्ञान	
कम्प्यूटर साइंस/इंफार्मेटिक्स प्रैक्टिसेज़	लीगल स्टडीज़	समाज शास्त्र	

III. बी.ए. (प्रोग्राम) में प्रवेश

क. एक भाषा (कोर / इलेक्टिव / कार्यात्मक (functional)

ख. किन्हीं तीन इलेक्टिव विषयों को चुना जा सकता है। विषय में परिवर्तन किए जाने पर 'सर्वोत्तम चार' के प्रतिशत में कोई कटौती नहीं की जाएगी।

ग. सूची में उल्लिखित न किए गए एक विषय (सूची 'क' में दिए गए विषय के अतिरिक्त) को बिना किसी कटौती के 'सर्वोत्तम चार' की गणना में शामिल किया जा सकता है। .

घ. यदि सूची में उल्लिखित न किए गए एक से अधिक विषय को 'सर्वोत्तम चार' की गणना के लिए शामिल किया जाता है तो 'सर्वोत्तम चार' में प्रत्येक विषय में 2.5 प्रतिशत की कटौती की जाएगी।

IV. बी.एससी. (ऑनर्स) गणित में प्रवेश

एक भाषा, गणित (न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों सहित) और शैक्षणिक विषय (सूची क) के अंतर्गत दो सर्वोत्तम इलेक्टिव विषयों के आधार पर योग्यता का निर्धारण किया जाएगा।

V. बी.एससी. (ऑनर्स) कम्प्यूटर साइंस में प्रवेश

क. अध्ययन और उत्तीर्ण किए गए विषयों से संबंधित अपेक्षा :

गणित, एक भाषा और शैक्षणिक विषयों के रूप में सूचीबद्ध दो अन्य विषय। (सूची क)

ख. न्यूनतम अपेक्षित प्रतिशत : अभ्यर्थी ने –

i) गणित में 60 प्रतिशत या उससे अधिक

ii) गणित सहित एक भाषा और शैक्षणिक विषयों के रूप में सूचीबद्ध दो अन्य विषयों (सूची क) सहित चार विषयों में कुल मिलाकर 60 प्रतिशत या उससे अधिक

– अंक प्राप्त किए हों।

ग. चयन का आधार : एक भाषा, गणित और भौतिकी, रसायन, कम्प्यूटर साइंस / इंफॉर्मेटिक्स प्रैक्टिसेज़ में से दो विषयों सहित चार सर्वोत्तम शैक्षणिक विषयों के आधार पर चयन किया जाएगा। अन्य विषयों के विद्यार्थी : 2 प्रतिशत की कटौती सहित एक भाषा, दो शैक्षणिक विषयों (सूची क) सहित गणित

टिप्पणी :- 'सर्वोत्तम चार' की गणना में सम्मिलित किए जाने वाले सभी विषयों में कम से कम 70% भाग सैद्धांतिक परीक्षा का होना चाहिए। यदि विचारार्थ विषय में 70% सैद्धांतिक और 30% व्यावहारिक संघटक भाग नहीं है तो क्रमशः समानुपातिक आधार पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक परीक्षा के अंक 70% और 30% में परिवर्तित किए जाएँगे। फिर इन नए अंकों पर 'सर्वोत्तम चार' की गणना हेतु विचार किया जाएगा।

प्रवेश के समय अपेक्षित दस्तावेज़

प्रवेश के समय आवेदकों को स्वयं अनुप्रमाणित फोटो प्रतियों के दो सैट के साथ निम्न दस्तावेज़ मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे :

1) दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा का प्रमाण–पत्र
2) दसवीं कक्षा की अंक तालिका
3) बारहवीं कक्षा की अंक तालिका
4) बारहवीं कक्षा का अस्थायी प्रमाण–पत्र / मूल प्रमाण–पत्र
5) हाल का चरित्र प्रमाण–पत्र
6) सक्षम प्राधिकारी द्वारा अभ्यर्थी के नाम से जारी किया गया अ.जा. / अ.ज.जा. / दिव्यांग / C.W./क.प्र. प्रमाण–पत्र
7) केन्द्रीय सूची के अनुसार अभ्यर्थी के नाम से अ.पि.व. (नॉन क्रीमी लेयर) प्रमाण–पत्र। **नॉन क्रीमी लेयर प्रमाण–पत्र की वैधता वित्तीय वर्ष 2017–18 के लिए हो, वह 31 मार्च, 2018 के बाद जारी किया गया हो।**
8) विद्यालय / महाविद्यालय से स्थानांतरण प्रमाण–पत्र, दिल्ली के बाहर से सीनियर सैकेंड्री परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए बोर्ड / विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त माइग्रेशन सर्टिफिकेट
9) पासपोर्ट आकार के दो स्वयं अनुप्रमाणित फोटो

टिप्पणी : प्रवेश के समय महाविद्यालय में मूल प्रमाण–पत्र जमा करवाए जाएँ।

कोई भी विद्यार्थी, जहाँ भी अपेक्षित हो, दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके महाविद्यालयों में स्वयं अनुप्रमाणित दस्तावेज़ों / कागज़ात की प्रतियाँ प्रस्तुत कर सकता है। विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी झूठा अनुप्रमाणन / ग़लत रिकॉर्ड मिलता है तो उक्त विद्यार्थी को अगले पाँच वर्ष तक विश्वविद्यालय / या उसके महाविद्यालयों में किसी भी पाठ्यक्रम में उपस्थित होने से वंचित कर दिया जाएगा और इसके अतिरिक्त उक्त विद्यार्थी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं (अर्थात् 470, 471 और 474 आदि) के अंतर्गत आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा।

छात्रावास प्रवेश

महाविद्यालय में दो छात्रावास हैं – महाविद्यालय परिसर में कलावती गुप्ता छात्रावास और महाविद्यालय के सामने सड़क के दूसरी तरफ इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय छात्रावास। इनमें तीनों वर्षों की छात्राओं के लिए 450 सीटें उपलब्ध हैं। अधिसूचित कार्यक्रम–सूची के अनुसार, महाविद्यालय द्वारा दूसरी कट ऑफ सूची के साथ–साथ छात्रावास प्रवेश के लिए योग्यता सूची की घोषणा की जाएगी जिससे कि महाविद्यालय में प्रवेश के साथ–साथ छात्रावास में भी प्रवेश दिया जा सके। इस प्रकार अभ्यर्थी छात्रावास में अपने प्रवेश के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। महाविद्यालय के पास दोनों छात्रावासों में सीटें आबंटित करने का अधिकार आरक्षित है। दोनों ही छात्रावासों से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कृपया महाविद्यालय की वेबसाइट को विज़िट करें। संबंधित जानकारी से युक्त छात्रावास विवरण–पुस्तिका भी उपलब्ध है।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम

20 जुलाई, 2018 को पूर्वाह्न 10.00 बजे महाविद्यालय के सभागार में ओरिएंटेशन कार्यक्रम में उपस्थिति अनिवार्य है। महाविद्यालय के सम्मेलन कक्ष और दृश्य–श्रव्य कक्ष में भी ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा जा सकता है। इस कार्यक्रम में माता–पिता भी आमंत्रित हैं। माता–पिता उनके लिए निर्धारित कक्ष में बैठेंगे जिसकी सूचना बाद में दी जाएगी। **छात्राओं के ओरिएंटेशन के बाद प्राचार्या और स्टाफ द्वारा छात्राओं के माता–पिता से बातचीत की जाएगी।**

महाविद्यालय के ओरिएंटेशन के बाद संबंधित विभागों का ओरिएंटेशन होगा जहाँ छात्राओं को उनके पाठ्यक्रम की शैक्षणिक अपेक्षाओं से अवगत कराया जाएगा।

छात्राओं से आशा की जाती है कि वे महाविद्यालय और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर दिए गए महाविद्यालय के नियमों और विनियमों तथा विश्वविद्यालय के अध्यादेशों को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगी और समझेंगी।

खेल कोटा के अंतर्गत प्रवेश

खेल प्रवेश समिति (महाविद्यालय संघटक)

- डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ, प्राचार्या (अध्यक्ष)
- डॉ. सीमा सिंह, शिक्षक प्रभारी, शारीरिक शिक्षा विभाग (संयोजक)
- सदस्य : शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षक
- डॉ. मोनिका मधोलिया नंदी (नामिती : स्टाफ काउंसिल का एक संकाय सदस्य)

दिशा-निर्देश और प्रक्रिया

1. स्वीकृत सीटों का 3 प्रतिशत खेल कोटा के अंतर्गत पूर्व–स्नातक स्तर के विविध पाठ्यक्रमों के लिए आरक्षित है।
2. खेल वर्गों के अंतर्गत प्रवेश कार्यक्रम की सूची, पंजीकरण प्रक्रिया की समाप्ति के पश्चात् केन्द्रीकृत वेब पोर्टल पर घोषित की जाएगी।
3. महाविद्यालय में प्रवेश के समय खेल संबंधी मूल प्रमाण–पत्र, खेल प्रमाण–पत्रों की स्वयं अनुप्रमाणित फोटो प्रतियाँ और अभ्यर्थी का स्वयं अनुप्रमाणित एक फोटो अपेक्षित है।
4. ग़लत/जाली प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने वाले अभ्यर्थी को तीन वर्षों तक महाविद्यालय के किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। यदि ग़लत/जाली प्रमाण–पत्र के आधार पर छात्रा को प्रवेश मिल जाता है तो उसका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा और ऐसे मामलों से संबंधित सूचना सभी महाविद्यालयों को भेज दी जाएगी।
5. अभ्यर्थियों को खेल ट्रायलों में उपस्थित रहना होगा जिसमें खेल विशेष से संबंधित फिटनेस, आधारभूत कौशल और समग्र खेल क्षमता शामिल है।
6. अभ्यर्थियों की खेलों में योग्यता का स्तर पिछले तीन वर्षों अर्थात् 01 मई, 2015 से 30 अप्रैल, 2018 तक उन खेलों में उनके प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित किया जाएगा जो महाविद्यालय में खेले जाते हैं।
7. अभ्यर्थी अपनी आयु के अनुसार अगले तीन वर्षों तक अंतर–विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए योग्य होना चाहिए और वह कहीं भी पूर्णकालिक/अंशकालिक तौर पर काम न कर रहा हो।

उत्तम श्रेणी : खेल ट्रायल के बिना सीधा प्रवेश

जिन खिलाड़ियों ने युवा और खेल मंत्रालय द्वारा मान्यताप्राप्त और वित्तपोषित निम्न प्रतियोगिता(ओं) में भारत का प्रतिनिधित्व किया है उन्हें खेल ट्रायल के बिना सीधे प्रवेश दिया जाएगा, यदि महाविद्यालय द्वारा उस खेल से संबंधित अपेक्षा दी गई है।

क. अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा आयोजित ओलंपिक खेल
ख. अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स फेडरेशंस द्वारा आयोजित विश्व चैम्पियनशिप्स/वर्ल्ड कप
ग. कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन द्वारा कॉमनवेल्थ गेम्स
घ. ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया द्वारा आयोजित एशियाई खेल
ङ अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स फेडरेशंस द्वारा आयोजित एशियन चैम्पियनशिप्स
च. साउथ एशियन स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा आयोजित दक्षिण एशियाई खेल
छ. अंतरराष्ट्रीय पैरालम्पिक समिति द्वारा आयोजित पैरालम्पिक खेल

खेल ट्रायलों से संबंधित तिथियों, स्थान और निदेशों, प्रमाण–पत्रों की मार्किंग और अन्य सूचना के लिए कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद् और दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट चैक करें।

डिस्क्लेमर : प्रवेश के किसी भी चरण में आवेदकों की उपलब्धता के आधार पर महाविद्यालय के पास किसी खेल विशेष की संख्या और प्रकृति तथा उनकी संबंधित स्थिति/कार्यक्रम/भार वर्ग में परिवर्तन करने का अधिकार आरक्षित है।

नियम और विनियम

सभी नामांकित छात्राओं के लिए उपस्थिति से संबंधित अपेक्षा और नियम

महाविद्यालय कक्षाओं में परस्पर संवाद और अनुभव में विश्वास करता है और ज़ोर देता है कि सेमेस्टर कार्यक्रम से लाभान्वित होने के लिए कक्षाओं में नियमितता आवश्यक है।

1. प्रत्येक सेमेस्टर में कक्षा/कक्षा में प्रस्तुतिकरण/ट्यूटोरियल/व्यावहारिक में नियमितता आवश्यक है। यह आंतरिक मूल्यांकन की गणना का एक भाग है।
2. विभाग द्वारा वर्ष के दौरान आयोजित कार्यक्रमों (संगोष्ठियों/सम्मेलनों/वार्ता आदि सहित) में छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य है।
3. छात्राओं को परामर्श दिया जाता है कि वे शैक्षणिक सत्र के दौरान जबकि कक्षाएँ चल रही हों, किसी भी प्रकार के अध्ययन पाठ्यक्रम/इंटर्नशिप/रोज़गार गतिविधि में भाग न लें।
4. छात्राओं की प्रत्येक सेमेस्टर में कुल आयोजित कक्षाओं में, व्याख्यानों और व्यावहारिक, दोनों में पृथक् रूप से कम से कम दो तिहाई उपस्थिति होना अनिवार्य है।
5. निर्धारित समय–सीमा में प्रोजेक्ट्स और एसाइनमेंट्स प्रस्तुत करना अनिवार्य है। मूल्यांकन के समय इन्हें समय पर प्रस्तुत न करने वाली छात्राओं के अंकों में कटौती की जाएगी।
6. जिन छात्राओं की उपस्थिति दो तिहाई से कम है और जो विभागीय शैक्षणिक सोसाइटी के विद्यार्थी प्रस्तुतिकरण सत्र में अनुपस्थित रही हैं, उन्हें महाविद्यालय द्वारा छात्रावास में प्रवेश, वित्तीय सहायता, आधिकारिक पद, पुरस्कार, संस्तुति, इंटर्नशिप जैसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जाएगी।
7. कोई पूर्व छात्रा तभी परीक्षा में बैठ सकती है जबकि उसकी विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार अपेक्षित उपस्थिति है। आंतरिक मूल्यांकन के अंकों में परिवर्तन नहीं होगा।
8. **छात्राओं को निदेश दिया जाता है कि सूचना और अद्यतन जानकारी के लिए नियमित रूप से कॉलेज की वेबसाइट देखें।**

महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपस्थिति में छूट

किसी गतिविधि में महाविद्यालय का विधिवत् प्रतिनिधित्व करने वाली छात्राएँ पूर्व स्वीकृति प्राप्त करें और उपस्थिति में छूट प्राप्त करने के लिए अपनी वापसी के तीन दिन के भीतर सलाहकारों/सक्षम प्राधिकारियों द्वारा विधिवत् सत्यापित संबंधित दस्तावेज़ जमा करवाएँ।

चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना

कक्षाओं में पुनः उपस्थित होने के तीन दिन के भीतर, प्राचार्या को संबोधित आवेदन और उसके साथ समर्थक दस्तावेज़ (लैब रिपोर्ट, एक्सरे आदि) महाविद्यालय की प्रेषण खिड़की पर जमा करवा दें। कार्यालय में प्रस्तुत किए गए चिकित्सा दस्तावेज़ों की एक प्रति रिकॉर्ड हेतु प्रभारी शिक्षक के समक्ष भी प्रस्तुत की जाए। निर्धारित अवधि के बाद प्रस्तुत किसी भी चिकित्सा प्रमाण–पत्र को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

परीक्षा फॉर्म प्रस्तुत करना

छात्राएँ, घोषित सूची के अनुसार अपने परीक्षा फॉर्म जमा करवाएँ। देय तिथि तक शैक्षणिक सत्र के लिए महाविद्यालय शुल्क का भुगतान न करने वाली छात्राओं को परीक्षा फॉर्म भरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

छात्राओं को वित्तीय सहायता

- महाविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग की छात्राओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। महाविद्यालय के पुनः खुलते ही जुलाई में इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक छात्राएँ निर्धारित समय–सीमा में सहायक दस्तावेज़ों के साथ निर्धारित प्रोफार्मा में आवेदन करें।
- महाविद्यालय द्वारा योग्यता–सह–साधन के आधार पर पात्र छात्राओं को छात्रवृत्तियाँ भी प्रदान की जाती हैं।
- पूरे सेमेस्टर के लिए पुस्तकें उधार लेने की इच्छुक छात्राओं के लिए पुस्तकालय में बुक बैंक की सुविधा भी उपलब्ध है।
- दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुसार पात्र अ.जा./अ.जजा./अ.पि.व. और दिव्यांग छात्राएँ अपने स्कॉलरशिप फॉर्म प्रस्तुत कर दें जिससे कि प्रत्येक वर्ष छात्रवृत्ति प्रदान की जाने की प्रक्रिया आरंभ की जा सके। वित्तीय सहायता/वृत्तियों से संबंधित और जानकारी महाविद्यालय की वेबसाइट और महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी।

टिप्पणी : महाविद्यालय द्वारा छात्रवृत्ति/शुल्क में छूट/वित्तीय सहायता उन्हीं छात्राओं को प्रदान की जाएगी जो उपस्थिति, आंतरिक मूल्यांकन और पाठ्यक्रम की अन्य अपेक्षाओं को पूरा करती हैं।

शुल्क संरचना

	लेखा शीर्ष	राशि
क.	**महाविद्यालय लेखा**	
	1. विश्वविद्यालय नामांकन शुल्क	200.00
	2. विश्वविद्यालय खेल शुल्क	50.00
	3. विश्वविद्यालय रा.कै.को./रा.से.यो. शुल्क	20.00
	4. विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद् शुल्क	5.00
	5. विश्वविद्यालय विकास शुल्क	600.00
	6. प्रवेश शुल्क	5.00
	7. शिक्षा शुल्क (वार्षिक)	180.00
	8. अवधान राशि (प्रतिदेय)	2000.00
	9. पहचान–पत्र	150.00
	10. महाविद्यालय पुस्तकालय शुल्क	400.00
	11. पुस्तकालय सुधार शुल्क	800.00
	12. सामान्य रखरखाव	2000.00
	13. भवन का रखरखाव	1500.00
	14. सुविधाएँ और स्वच्छता	700.00
	15. सुविधाएँ निधि	700.00
	16. उद्यान शुल्क	125.00
	17. महाविद्यालय परीक्षा शुल्क/प्रोजेक्ट	600.00
	18. आई.सी.टी. सेंटर शुल्क	1000.00
	19. छात्र शोध निधि	300.00
	क का योग	**11335.00**
ख.	**छात्र सोसाइटियाँ और खेल निधि लेखा**	
	1. खेल शुल्क	500.00
	2. छात्रसंघ	400.00
	3. विशेष सोसाइटियों के लिए अंशदान	200.00
	4. महाविद्यालय पत्रिका	150.00
	5. शैक्षणिक सोसाइटियाँ	300.00
	6. महाविद्यालय दिवस	200.00
	7. छात्र सहायता निधि	1500.00
	8. चिकित्सा शुल्क	100.00
	9. W.U.S.	5.00
	10. नवागंतुक दिवस	200.00
	11. रा.कै.को./रा.से.यो.	100.00
	12. सामुदायिक विस्तार गतिविधियाँ	200.00
	13. यौन उत्पीड़न के विरुद्ध प्रकोष्ठ	10.00
	14. बिजली/रखरखाव	2000.00
	15. पानी	1500.00
	ख का योग	**7365.00**
ग .	**विकास शुल्क**	**1200.00**
घ.	**स्थापना प्रभार**	**1200.00**
ङ1.	**मनोविज्ञान प्रयोगशाला शुल्क**	**6500.00**
ङ2.	**मनोविज्ञान प्रयोगशाला शुल्क (मात्र बी.ए. (प्रोग्राम की छात्राओं के लिए)**	**4000.00**
च1.	**कम्प्यूटर/मनोविज्ञान प्रयोगशाला प्रतिभूति (प्रतिदेय)**	**1500.00**
च2.	**कम्प्यूटर प्रयोगशाला शुल्क**	**5000.00**
च3.	**कम्प्यूटर प्रयोगशाला शुल्क ((मात्र बी.ए. (प्रोग्राम की छात्राओं के लिए))**	**2500.00**
छ.	**पाठ्यक्रम शुल्क**	**15000.00**

ज. मल्टी मीडिया और जनसंचार		
1. स्टूडियो प्रतिभूति (प्रतिदेय))		10000.00
2. स्टूडियो शुल्क		15000.00
3. उपकरण, हैंडलिंग और सम्पादन खंड प्रभार		13900.00
4. परिवहन प्रभार		500.00
ज का योग		**39400.00**
झ. भूगोल प्रयोगशाला शुल्क		**7500.00**
योग : T-1	**बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल (क+ख+ग+घ+झ)**	**28600.00**
	बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान (क+ख+ग+घ+ङ1+च1)	**29100.00**
	कम्प्यूटर अनुप्रयोग सहित बी.ए. (प्रोग्राम) (क+ख+ग+घ+च1+च3)	**25100.00**
	मनोविज्ञान सहित बी.ए. (प्रोग्राम) (क+ख+ग+घ+ङ2+च1)	**26600.00**
	बी.कॉम. (ऑनर्स) (क+ख+ग+घ+च1+च3)	**25100.00**
	बी.एससी. (ऑनर्स) कम्प्यूटर साइंस (क+ख+ग+घ+च1+च2+छ)	**42600.00**
	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित (क+ख+ग+घ+च1+च3)	**25100.00**
	अन्य पाठ्यक्रम (क+ख+ग+घ)	**21100.00**
T-2	**स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम**	
	मल्टी मीडिया और जनसंचार (क+ख+ग+घ+च1+च2+छ+ज)	**82000.00**

टिप्पणी : **(i)** विदेशी छात्राओं द्वारा किसी भी पाठ्यक्रम के लिए महाविद्यालय को देय वार्षिक शुल्क **रु. 6900**

(ii) विदेशी छात्राओं द्वारा बी.एससी. (ऑनर्स) कम्प्यूटर साइंस के लिए देय वार्षिक शुल्क **रु. 2,41,500**
(सार्क देशों के नागरिकों के अतिरिक्त)

(iii) विदेशी छात्राओं द्वारा भुगतान किए जाने वाले उपर्युक्त प्रभार महाविद्यालय शुल्क के अतिरिक्त हैं

(iv) तिब्बती छात्राओं को विश्वविद्यालय पंजीकरण शुल्क और विदेशी छात्राओं के रूप में महाविद्यालय को भुगतान किए जाने वाले अतिरिक्त शुल्क में छूट दी गई है।

(v) महाविद्यालय के पास कोई पूर्व सूचना दिए बिना शुल्क में परिवर्तन का अधिकार आरक्षित है।

संकाय

कम्प्यूटर साइंस विभाग

डॉ. अर्चना सिंघल – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. मनीषा बंसल – एम.टेक., पीएच.डी. **(शिक्षक प्रभारी)**
सुश्री ऋतु सिंघल – एम.एससी.
सुश्री विमला परिहार – एम.फिल.
डॉ. मंजु बाला – एम.टेक., एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. सरबजीत कौर – एम.सी.ए., पीएच.डी.

कॉमर्स विभाग

सुश्री सरिता सचदेवा – एम.फिल
सुश्री सुषमा नीना कुमार – एम.फिल
सुश्री वल्सला कुरियाकोज़ – एम.फिल
सुश्री अर्चना गुप्ता – एम.फिल
सुश्री रेनू चौधरी – एम.फिल
सुश्री नलिनी पांडा – एम.ए., M.Soc.Sc.
सुश्री अनीता बनर्जी – एम.ए.
डॉ. विनीता कौल दार – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. अनीता अग्रवाल – एम.फिल., पीएच.डी. **(शिक्षक प्रभारी)**
सुश्री रेखा रानी – एम.कॉम
सुश्री टी.जेया क्रिस्टी – एम.फिल.
सुश्री श्वेता शारदा – एम.फिल.
सुश्री आभा रानी – एम.बी.ए.

अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. अनिंदिता रॉय साहा – पीएच.डी.
डॉ. बिंदु ओबेरॉय – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. रूपाली गोयनका – एम.फिल., पीएच.डी. **(शिक्षक प्रभारी)**
सुश्री बैसाखी मोंडल – एम.फिल.
सुश्री विभा अग्रवाल – एम.ए.
सुश्री नमिता माथुर – एम.फिल (अवकाश पर)

अंग्रेज़ी विभाग

डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. विनीता सिन्हा – पीएच.डी.
डॉ. देबजानी सेनगुप्ता – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. नीतू दास – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. ऋतु राज एक्का – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. दिव्या मेहता – एम.फिल., पीएच.डी.
सुश्री नीलिमा लूथरा – एम.फिल.
सुश्री सोनाली अग्रवाल – एम.फिल.
डॉ. बी.आर. अलामेलु – एम.फिल., पीएच.डी.
सुश्री जयश्री बोरा – एम.फिल. **(शिक्षक प्रभारी)**
सुश्री बीथिका गोराई – एम.ए.

भूगोल विभाग

डॉ. मीना भार्गव – एम.फिल., पीएच.डी. (विशेष कार्याधिकारी)

हिंदी विभाग

डॉ. रेखा सेठी – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. रेखा उप्रेती – एम.फिल., पीएच.डी. (अवकाश पर)
डॉ. हर्ष बाला शर्मा – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. रिम्पी खिल्लन सिंह – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. उमा गुप्ता – एम.फिल., पीएच.डी. **(शिक्षक प्रभारी)**
डॉ. सुषमा – एम.फिल., पीएच.डी. (अवकाश पर)

इतिहास विभाग

डॉ. रश्मि पंत – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. मीना भार्गव – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. प्रगति मोहापात्रा – एम.फिल., पीएच.डी. **(शिक्षक प्रभारी)**
डॉ. आशा शुक्ला चौबे – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. मीनाक्षी खन्ना – एम.फिल., पीएच.डी.
सुश्री रुचिका सिंह – एम.फिल. (अवकाश पर)

मानव विकास और कुटुंब सशक्तिकरण विभाग

डॉ. गुंजन झंब – एम.एससी., पीएच.डी. (अवकाश पर)

मल्टी मीडिया और जनसंचार विभाग

डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ – एम.फिल., पीएच.डी. (विभागाध्यक्ष)
डॉ. रेखा सेठी – एम.फिल., पीएच.डी. (समन्वयक)

गणित विभाग

सुश्री सरिता आनंद – एम.फिल. **(शिक्षक प्रभारी)**
सुश्री सुनीता मार्वाह – एम.फिल.
डॉ. वागीशा शर्मा – एम.फिल., पीएच.डी.
सुश्री डॉली जैन – एम.फिल.
सुश्री गुंजन खुराना – एम.फिल.
सुश्री मोनिका बंसल – एम.फिल.
श्री चन्द्रशेखर – एम.फिल.

शारीरिक शिक्षा विभाग

डॉ. सीमा सिंह – एम.फिल., पीएच.डी. **(शिक्षक प्रभारी)**
सुश्री हिमानी मल्होत्रा – एम.फिल.

दर्शन शास्त्र विभाग

डॉ. मनस्विनी एम. योगी – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. नीला मनोचा – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. उदया एम. योगी – एम.फिल., पीएच.डी.
सुश्री पौलवी दास – एम.ए. (अवकाश पर)
डॉ. मयूरी गोगोई – एम.फिल., पीएच.डी. (अवकाश पर)
सुश्री बिंदु दास – एम.फिल.
डॉ. सुप्रिया साहा – एम.फिल., पीएच.डी. **(शिक्षक प्रभारी)**

राजनीति शास्त्र विभाग

डॉ. ज्योति त्रेहन शर्मा – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. मोनिका मधोलिया नंदी – एम.फिल., पीएच.डी.
सुश्री स्वाहा श्वेतांबरा दास – एम.फिल.
डॉ. लियानबोई वाइफेई – एम.फिल., पीएच.डी.
सुश्री स्वाति पाल – एम.फिल.
डॉ. शुभ्रा सेठ – एम.फिल., पीएच.डी. **(शिक्षक प्रभारी)**
सुश्री जया मिश्रा – एम.फिल.
सुश्री पापोरी कुँवर – एम.फिल.
डॉ. अंशु श्रीवास्तव – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. शगुफ्ता – एम.ए., पीएच.डी.
सुश्री आकांक्षा – एम.फिल.
सुश्री अंकिता पांडे – एम.फिल. (अवकाश पर)

मनोविज्ञान विभाग

डॉ. वीना गुप्ता – पीएच.डी.
डॉ. श्रुति सहरावत – पीएच.डी.
डॉ. सुरभिका माहेश्वरी – पीएच.डी.
डॉ. निधि मलिक – एम.फिल., पीएच.डी.
सुश्री मीनाक्षी वर्मा – एम.ए.
डॉ. मीतू रोहतगी – पीएच.डी.
डॉ. गायत्री अरुण कुमार – पीएच.डी.
सुश्री अंशु – एम.ए. **(शिक्षक प्रभारी)**

संस्कृत विभाग

डॉ. अनीता स्वामी – एम.फिल., पीएच.डी.
डॉ. माया वर्मा – एम.फिल., पीएच.डी. **(शिक्षक प्रभारी)**

समाज शास्त्र विभाग

डॉ. रश्मि पंत – एम.फिल., पीएच.डी. (विशेष कार्याधिकारी)

पुस्तकालय

श्री विजय गौतम – (पुस्तकालयाध्यक्ष), MLIS, एम.ए. (अंग्रेज़ी) (अवकाश पर)

रैगिंग विरोधी दस्ता

डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ	प्राचार्या
डॉ. रेखा सेठी	उप–प्राचार्या
श्री दिनेश सुन्दरियाल	प्रशासनिक अधिकारी
सुश्री अर्चना गुप्ता	सचिव, कर्मचारी परिषद्
डॉ. श्रुति सहरावत	वार्डन
सुश्री गौरी किरौला	पुस्तकालय
श्री संजय कुमार	सहायक
श्री राजेन्द्र भट्ट	कनिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक
श्रीमती सुदेश पोसवाल	पुस्तकालय अटेंडेंट
डॉ. शगुफ्ता	बी.ए. प्रोग्राम
डॉ. रेखा सेठी	मल्टी मीडिया और जनसंचार
डॉ. मनीषा बंसल	कम्प्यूटर साइंस
डॉ. अनीता अग्रवाल	कॉमर्स
डॉ. रूपाली गोयनका	अर्थशास्त्र
डॉ. जयश्री बोरा	अंग्रेज़ी
डॉ. उमा गुप्ता	हिंदी
डॉ. प्रगति मोहापात्रा	इतिहास
सुश्री सरिता आनंद	गणित
डॉ. सुप्रिया साहा	दर्शन शास्त्र
डॉ. सीमा सिंह	शारीरिक शिक्षा
डॉ. शुभ्रा सेठ	राजनीति शास्त्र
सुश्री अंशु	मनोविज्ञान
डॉ. माया वर्मा	संस्कृत
सुश्री डॉली जैन	PwD

रैगिंग विरोधी समिति

डॉ. बाबली मोइत्रा सराफ	प्राचार्या
डॉ. रेखा सेठी	उप–प्राचार्या
डॉ. सरबजीत कौर	छात्रसंघ सलाहकार
डॉ. श्रुति सहरावत	वार्डन
डॉ. सीमा सिंह	शारीरिक शिक्षा विभाग
डॉ. मीनाक्षी खन्ना	पुस्तकालय
श्री रॉबिन सिंह	उपनिरीक्षक, दिल्ली पुलिस

महाविद्यालय शिकायत निवारण समिति

श्री निर्मल खंडेलवाल	अध्यक्ष
डॉ. रेखा सेठी	सदस्य
डॉ. वागीशा शर्मा	सदस्य
डॉ. श्रुति सहरावत	सदस्य
छात्र प्रतिनिधि	सदस्य

महाविद्यालय में अनुशासन-अध्यादेश *XV-B*

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियाँ कुलपति के पास हैं।
2. कुलपति, ऐसी शक्तियाँ या ऐसी शक्तियाँ जिन्हें वे उचित समझते/समझती हैं, प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें वे अपनी ओर से विनिर्दिष्ट करते हैं, को प्रत्यायोजित कर सकते/सकती हैं।
3. इस अध्यादेश के अन्तर्गत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्न कृत्यों को घोर अनुशासनहीनता माना जाएगा :
   - क. दिल्ली विश्वविद्यालय की किसी संस्था/विभाग के किसी भी शैक्षणिक या गैर शैक्षणिक कर्मचारियों और किसी भी छात्र के विरुद्ध शारीरिक हमला या शारीरिक बल का प्रयोग करने की धमकी देना।
   - ख. कोई हथियार रखना, उसका प्रयोग करना या उसका प्रयोग करने की धमकी देना।
   - ग. नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1976 के प्रावधानों का किसी भी प्रकार से उल्लंघन।
   - घ. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के स्तर, गरिमा और सम्मान को ठेस पहुँचाना।
   - ङ महिलाओं के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग या उन्हें अपमानित करने वाला कोई कृत्य।
   - च. रिश्वत देने का कोई भी प्रयास या किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार।
   - छ. संस्थागत संपत्ति को जानबूझकर नष्ट करना।
   - ज. धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर द्वेष या असहिष्णुता पैदा करना।
   - झ. विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कार्यकरण में किसी भी प्रकार से बाधा उत्पन्न करना।
   - ञ. अध्यादेश–XV-C के अनुसार रैगिंग का निषेध।
4. कुलपति, अनुशासन बनाए रखने की अपनी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से ऐसी कार्रवाई कर सकते हैं/सकती हैं जो उन्हें उचित लगती है, वे अपनी उपरोक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश या निदेश दे सकते हैं/सकती हैं कि किसी भी विद्यार्थी या विद्यार्थियों को –
   - क. निष्कासित कर दिया जाए ;
   - ख. घोषित अवधि के लिए निष्कासित कर दिया जाए ; या
   - ग. घोषित अवधि के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज, विभाग या संस्था में किसी पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रमों में प्रवेश न दिया जाए ; या
   - घ. निर्दिष्ट राशि का जुर्माना लगाया जाए ; या
   - ङ एक या अधिक वर्ष की अवधि के लिए विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा देने से वंचित किया जाए ; या
   - च. संबंधित विद्यार्थी के उस परीक्षा परिणाम/उन परीक्षा परिणामों को रद्द कर दिया जाए जो उसने दी हैं।
5. विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों के प्राचार्यों, हॉल्स के प्रभारी, सभी अधिष्ठाता, विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राचार्य, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और पुस्तकालयाध्यक्षों को अपने–अपने महाविद्यालयों, संस्थाओं, संकायों और शैक्षणिक विभागों में ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा जो संस्थाओं, हॉल्स और संबंधित विभाग में शिक्षण कार्य के सुचारु रूप से संचालन के लिए आवश्यक हैं। वे अपने इस अधिकार के प्रयोग के माध्यम से या अपने महाविद्यालयों, संस्थाओं या विभागों के ऐसे शिक्षकों को शक्ति प्रत्यायोजित कर सकते हैं जिन्हें वे इन प्रयोजनों के लिए निर्दिष्ट करते हैं।
6. कुलपति और प्रॉक्टर की उपरोक्त शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के लिए विस्तृत नियम बनाए जाएँगे।

इन नियमों का, जहाँ भी आवश्यक हो, महाविद्यालयों के प्राचार्यों, हॉल्स के प्रभारी, सभी अधिष्ठाताओं, विश्वविद्यालय में शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्षों द्वारा अनुपूरण किया जा सकता है। प्रत्येक विद्यार्थी से आशा की जाती है कि वह इन नियमों की प्रति प्राप्त करे।

प्रवेश के समय, प्रत्येक विद्यार्थी को घोषणा पर हस्ताक्षर करने होंगे कि प्रवेश दिए जाने पर वह स्वयं को कुलपति और विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारियों, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए अधिनियमों, संविधियों, अध्यादेशों और नियमों के अंतर्गत अनुशासनिक कार्रवाई करने का अधिकार सौंपा गया है, के अनुशासनात्मक अधिकार–क्षेत्र के समक्ष प्रस्तुत करता है।

रैगिंग का निषेध और रैगिंग करने पर सज़ा-अध्यादेश *XV-C*

1. महाविद्यालय/विभाग और संस्था और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी भाग और साथ ही सार्वजनिक परिवहन में किसी भी रूप में रैगिंग निषेध है।
2. रैगिंग का कोई भी वैयक्तिक या सामूहिक कृत्य या रैगिंग करना, साधारणतः घोर अनुशासनहीनता है और उस पर इस अध्यादेश के अन्तर्गत कार्रवाई की जाए।
3. इस अध्यादेश के प्रयोजन हेतु रैगिंग का अर्थ है – साधारणतया ऐसा कृत्य, आचरण या व्यवहार जिसके द्वारा वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों या उन विद्यार्थियों, जिन्हें अन्य विद्यार्थियों द्वारा कनिष्ठ या कमतर माना जाता है, पर अपनी शक्ति या स्तर का प्रयोग किया जाता है, और इसमें ऐसे वैयक्तिक या सामूहिक कृत्य या व्यवहार शामिल हैं जिसमें –

   क. शारीरिक हमला या शारीरिक बल का प्रयोग ;

   ख. छात्राओं के स्तर, गरिमा और सम्मान को ठेस पहुँचाना ;

   ग. अनुसूचित जाति और जनजातियों के विद्यार्थियों के स्तर, गरिमा और सम्मान को ठेस पहुँचाना ;

   घ. विद्यार्थियों का मज़ाक उड़ाना और उनका अपमान करना और उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाना ;

   ङ गाली देना और आक्रामकता दिखाना, अभद्र इशारे करना और अश्लील व्यवहार

   – शामिल हैं।
4. किसी महाविद्यालय के प्राचार्य, विभागाध्यक्ष या कोई संस्था, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय छात्रावास और हॉल्स ऑफ रेज़िडेंस के प्राधिकारी, रैगिंग किए जाने की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करें।
5. उपर्युक्त खंड (4) में कुछ होते हुए भी, प्रॉक्टर द्वारा रैगिंग की किसी भी घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए जाँच की जाए और रैगिंग में शामिल व्यक्तियों की पहचान और घटना की प्रकृति के विषय में कुलपति को रिपोर्ट की जाए।
6. प्रॉक्टर द्वारा रैगिंग के दोषी व्यक्तियों की पहचान और घटना की प्रकृति के संबंध में प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाए।
7. यदि महाविद्यालय के प्राचार्य या विभागाध्यक्ष या संस्था या प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि किसी कारण (जिसे लेखबद्ध किया जाए) से यह व्यावहारिक नहीं होगा कि इस प्रकार की जाँच की जाए, तो उनके द्वारा कुलपति को तदनुसार यह परामर्श दिया जाए।
8. यदि कुलपति संतुष्ट हो जाती/जाते हैं कि ऐसी जाँच करना उचित नहीं है तो उनका निर्णय अंतिम होगा।
9. खंड (5) और (6) के अंतर्गत रिपोर्ट प्राप्त होने पर या संबंधित अधिकारी द्वारा खंड (7) द्वारा अवधारण करने पर खंड (3), (क), (ख) और (ग) में उल्लिखित रैगिंग की घटना को बताते हुए, कुलपति निर्धारित वर्षों के लिए किसी छात्र या छात्रों को निष्कासित करने का निदेश या आदेश दे सकते/सकती हैं।
10. रैगिंग के अन्य मामलों में कुलपति यह आदेश या निदेश दे सकते हैं/सकती हैं कि किसी विद्यार्थी या विद्यार्थियों को निष्कासित कर दिया जाए या घोषित अवधि के लिए, महाविद्यालय के पाठ्क्रम में प्रवेश न दिया जाए, एक या अधिक वर्ष के लिए विभागीय परीक्षा में बैठने न दिया जाए या ऐसे विद्यार्थी/विद्यार्थियों के उस परीक्षा/उन परीक्षाओं के परिणाम रद्द कर दिए जाएँ, जो उन्होंने दी हैं।
11. इस अध्यादेश के प्रयोजन हेतु, किसी कृत्य, व्यवहार द्वारा रैगिंग करने के लिए उकसाना भी रैगिंग ही माना जाएगा।
12. वेबसाइट **http://www.antiragging.in, www.amanmovement.org** पर रैगिंग विरोधी वचनबंध ऑनलाइन भरा जाए।

अध्यादेश *XV-D*
महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम *2013*

निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष अधिनियम 2013 (विधि और न्याय मंत्रालय)

महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण और लैंगिक उत्पीड़न के परिवादों के निवारण तथा प्रतितोषण और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के लिए अधिनियम।

लैंगिक उत्पीड़न के परिणामस्वरूप भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 15 के अधीन समता तथा संविधान के अनुच्छेद 21 के अधीन प्राण और गरिमा से जीवन व्यतीत करने के किसी महिला के मूल अधिकारों और किसी वृत्ति का व्यवसाय करने या कोई उपजीविका, व्यापार या कारबार करने के अधिकार का, जिसके अंतर्गत लैंगिक उत्पीड़न से मुक्त सुरक्षित वातावरण का अधिकार भी है, उल्लंघन होता है ;

और, लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण तथा गरिमा से कार्य करने का अधिकार, महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के विभेदों को दूर करने संबंधी अभिसमय जैसे अंतरराष्ट्रीय अभिसमयों और लिखतों द्वारा सर्वव्यापी मान्यताप्राप्त ऐसे मानवाधिकार हैं, जिनका भारत सरकार द्वारा 25 जून, 1993 को अनुसमर्थन किया गया है;

और, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से महिलाओं के संरक्षण के लिए उक्त अभिसमय को प्रभावी करने के लिए उपबंध करना समीचीन है।

आंतरिक शिकायतें समिति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और दिल्ली विश्वविद्यालय के निदेशों के अनुसार महाविद्यालय में आंतरिक शिकायतें समिति गठित की गई है।

सदस्य :

1. डॉ. मीना भार्गव, पीठासीन अधिकारी (इतिहास विभाग)
2. डॉ. निधि मलिक (संयोजक, विमेंस डेवलपमेंट सेल)
3. डॉ. सुरभिका माहेश्वरी, सदस्य (मनोविज्ञान विभाग)
4. सुश्री गौरी किरौला (व्यावसायिक सहायक)
4. श्री राजेन्द्र भट्ट, सदस्य (कनिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक)
5. सुश्री मधुबाला, सदस्य (जागोरी, गैरसरकारी संगठन)
7. अध्यक्ष, महाविद्यालय छात्रसंघ
8. अध्यक्ष, छात्रावास छात्रसंघ
9. अध्यक्ष, विमेंस डेवलपमेंट सेल

छात्रा और माता/पिता/अभिभावक द्वारा वचनबंध

(शुक्रवार, 20 जुलाई, 2018 को ओरिएंटेशन दिवस पर जमा किया जाए)

- ————————————————————————————(नाम) ने शैक्षणिक सत्र 2018–19 के लिए इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय में ————————————(विषय) में प्रवेश ले लिया है।
- प्रवेश के समय प्रस्तुत की गई सूचना और सभी मूल प्रमाण–पत्र प्रामाणिक हैं, यदि वे अन्यथा पाए जाते हैं, तो मुझे सूचित किए बिना मेरा प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
- हमें सूचित कर दिया गया है कि महाविद्यालय उपस्थिति संबंधी नियमों का दृढ़ता से पालन करता है और प्रत्येक सेमेस्टर में सभी विषयों में व्याख्यानों, ट्यूटोरियलों और प्रस्तुति में दो तिहाई उपस्थिति होना आवश्यक है।
- हमने विवरण–पुस्तिका/वेबसाइट में उल्लिखित अध्यादेश XV (B), XV (C) पढ़ लिए हैं।
- हमें ज्ञात है कि महाविद्यालय में प्रवेश से छात्रावास में प्रवेश भी सुनिश्चित नहीं हो जाता और हम छात्रावास में प्रवेश के लिए आग्रह नहीं करेंगे।
- हमने महाविद्यालय की विवरण–पुस्तिका/वेबसाइट सावधानीपूर्वक पढ़ ली है और हम इनमें उल्लिखित नियमों और विनियमों का पालन करेंगे।
- जैसा निर्देशित है महाविद्यालय द्वारा मांगे गए सभी बकाया शपथ–पत्र/दस्तावेज़ 20 जुलाई, 2018 को ओरिएंटेशन के समय प्रस्तुत कर दिए जाएंगे। ऐसा न होने पर, इस संबंध में मुझे सूचना दिए बिना मेरा प्रवेश स्वतः रद्द हो जाएगा।

घोषणा

1. मैंने महाविद्यालय के नियमों और विनियमों को पढ़ और समझ लिया है और मुझे ज्ञात है कि मेरे द्वारा महाविद्यालय/विश्वविद्यालय विनियमों का उल्लंघन किए जाने पर मेरा प्रवेश रद्द हो जाएगा।
2. मैं वचन देती हूँ कि अपने घर/अन्य भ्रमणों का कार्यक्रम तैयार करते समय मैं महाविद्यालय/विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त एवं सूचित शैक्षणिक कैलेंडर का पालन करूँगी।
3. घोषणा (मात्र खेल कोटा के अंतर्गत प्रवेश पाने वाली छात्राओं के लिए)
   मुझे अच्छी प्रकार से ज्ञात है कि मुझे खेल कोटा के अंतर्गत प्रवेश दिया गया है और मुझे महाविद्यालय द्वारा नियत किए गए समय और स्थान पर सभी विशेष अभ्यास कक्षाओं में उपस्थित होना है। ऐसा न होने पर मुझे सूचना दिए बिना मेरा प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा।

माता/पिता/अभिभावक के हस्ताक्षर

छात्रा के हस्ताक्षर

माता/पिता/अभिभावक का नाम

छात्रा का नाम

छात्रा के साथ संबंध

तिथिः _____

तिथिः _____

विश्वविद्यालय शैक्षणिक कैलेंडर 2018-19

सेमेस्टर I/III/V/VII	
कक्षाओं का आरंभ	20 जुलाई, 2018 (शुक्रवार)
सेमेस्टर के मध्य का अंतराल	15 अक्तूबर, 2018 (सोमवार) से 21 अक्तूबर, 2018 (रविवार) टिप्पणी : 19.10.2018 (शुक्रवार) को दशहरा
सेमेस्टर के मध्य के अंतराल के बाद कक्षाओं का आरंभ	22 अक्तूबर, 2018 (सोमवार)
कक्षाओं का समापन, तैयारी के लिए अवकाश और व्यावहारिक परीक्षाओं का आरंभ	16 नवम्बर, 2018 (शुक्रवार)
सैद्धांतिक परीक्षाओं का आरंभ	30 नवम्बर, 2018 (शुक्रवार)
शीतकालीन अवकाश	17 दिसम्बर, 2018 (सोमवार) से 31 दिसम्बर, 2018 (सोमवार)
सेमेस्टर II/IV/VI/VIII	
कक्षाओं का आरंभ	1 जनवरी, 2019 (मंगलवार)
सेमेस्टर के मध्य का अंतराल	18 मार्च, 2019 (सोमवार) से 24 मार्च, 2019 (रविवार) टिप्पणी : 20.03.2019 (बुधवार) को होली
सेमेस्टर के मध्य के अंतराल के बाद कक्षाओं का आरंभ	25 मार्च, 2019 (सोमवार)
कक्षाओं का समापन, तैयारी के लिए अवकाश और व्यावहारिक परीक्षाओं का आरंभ	29 अप्रैल, 2019 (सोमवार)
सैद्धांतिक परीक्षाओं का आरंभ	10 मई, 2019 (शुक्रवार)
ग्रीष्मकालीन अवकाश	26 मई, 2019 (रविवार) से 19 जुलाई, 2019 (शुक्रवार)

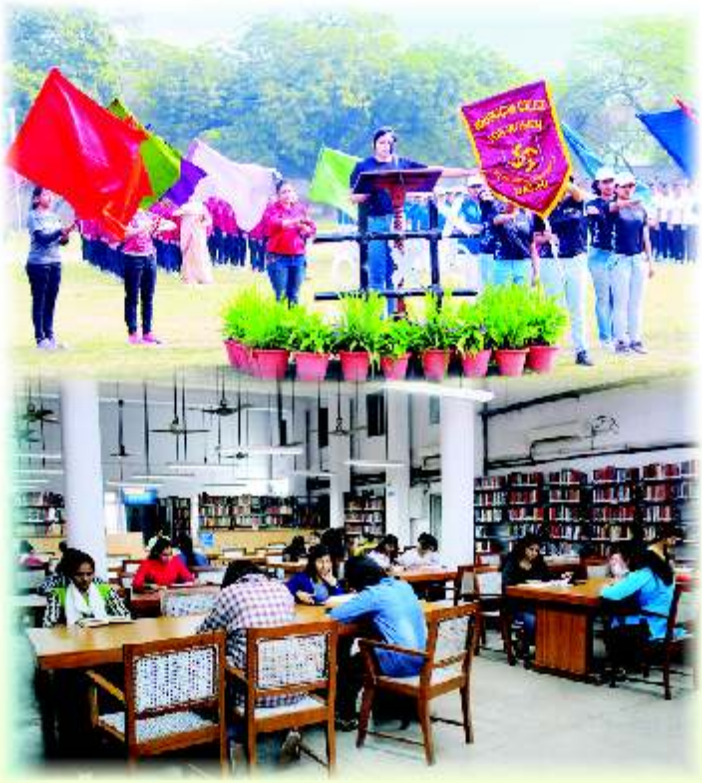

इन्द्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय

31, शाम नाथ मार्ग, दिल्ली-110054
दूरभाष : (011) 23954085 Fax: (011) 23962009
ई–मेल: ipcw@ip.du.ac.in
वेबसाइट : www.ipcollege.ac.in

मूल्य : रू. 250/-